20 NOVEMBER 2023 AMBIKAPUR_Layout 2 11/19/2023 11:27 PM Page 1

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -19 सोमवार ,20 नवम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

शिवसेना के संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी पर लगाया बड़ा आरोप

चुनाव आयोग बन गया पिंजरे में बंद तोता

» भाजपा के पक्ष में अपना रहा दोहरा मापदंड

मुंबई,19 नवम्बर 2023(ए)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने रविवार को यह आरोप लगाया कि भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) पिंजरे में बंद तोता और दिखावा बन गया है और 'भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में दोहरा मापदंड अपना रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया, (मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम जैसे पांच राज्यों में चुनाव प्रचार के दौरान) जो कुछ भी हुआ है, उसने साबित कर दिया है कि चुनाव आयोग पिंजरे में बंद तोता बन गया है।

शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में अपने साप्ताहिक कॉलम 'रोकथोक' में राउत ने आरोप लगाया कि पांच राज्यों में जहां (नवंबर में) विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां अपनी हार को देखते हुए भाजपा मतदाताओं को लुभाने के लिए धार्मिक प्रचार का सहारा ले रही है।

मध्य प्रदेश में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पिछले सप्ताह दिए गए उस बयान का हवाला देते हुए राउत ने

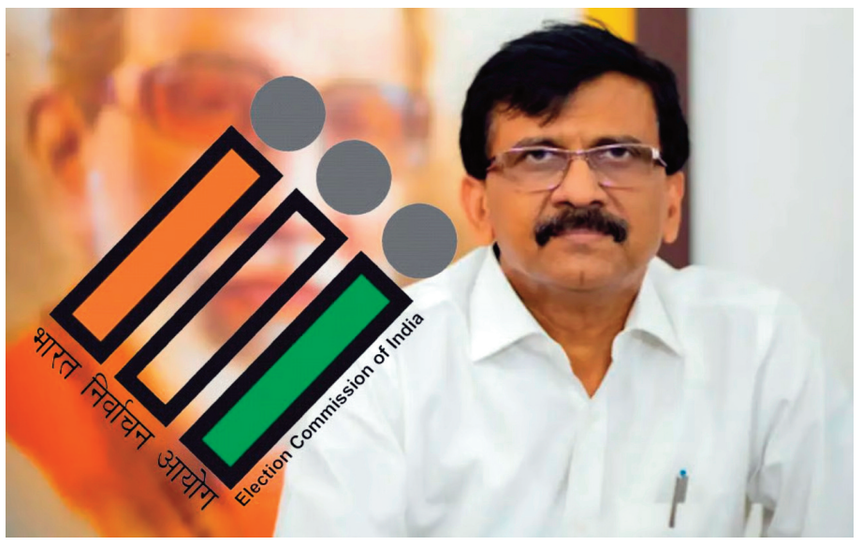

कहा कि यह स्पष्ट रूप से धार्मिक आधार पर प्रचार है, जिसमें उन्होंने लोगों से वादा किया था कि यदि भाजपा सत्ता में आती है तो वह अयोध्या में राम मंदिर के लिए सरकार द्वारा यात्राएं आयोजित कराएगी।

शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य ने आरोप लगाया कि अगर इस तरह का बयान कांग्रेस के किसी नेता ने दिया होता तो प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरह चुनाव आयोग भी वारंट लेकर दरवाजे पर होता।

राउत ने कहा कि मतदाताओं को रिश्वत देकर वोट हासिल करना चौंकाने वाला है और चुनाव आयोग ने अपनी आंखें बंद कर ली हैं, जो लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। अयोध्या में राम मंदिर की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होनी है।

उन्होंने आगे कहा, (पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त) टीएन शेषन ने अपने कार्यकाल के दौरान दिखाया कि चुनाव आयोग को दहाड़ने की भी जरूरत नहीं है, उसे बस अपनी पूंछ हिलानी है और यह सभी राजनीतिक दलों में डर पैदा करेगा। चुनाव आयोग दिखावा बनकर रह गया है। राउत ने कहा कि जब शिवसेना के संस्थापक दिवंगत बाल ठाकरे ने 1987 के विले पार्ले उपचुनाव में हिंदुत्व के मुद्दे पर पार्टी उम्मीदवार रमेश प्रभु के लिए वोट मांगे थे तो उनका मतदान का अधिकार छह साल के लिए रद्द कर दिया गया था।

उपचुनाव जीतने वाले शिवसेना विधायक सूर्यकांत महादिक, रमाकांत मयेकर और प्रभु को अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्होंने कहा, 'उन्होंने (भाजपा) चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक निकायों का प्रबंधन किया और हिंदुत्व की लड़ाई लड़ी।'

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) ने शाह के राम मंदिर दौरे के वादे को लेकर चुनाव आयोग को पत्र लिखा और व्यंग्यात्मक अंदाज में पूछा कि क्या चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता में ढील दी है। पत्र में, शिवसेना (यूबीटी) ने चुनाव आयोग पर भाजपा के पक्ष में ÷दोहरे मानदंड÷ अपनाने का आरोप लगाया।

चंडीगढ़ एयरपोर्ट के बाहर लिखे खालिस्तानी नारे

» आतंकी पन्नू ने जिम्मेदारी लेते हुए कहा आज से एयर इंडिया का बायकॉट

चंडीगढ़,19 नवम्बर 2023(ए)। भारत सरकार की हिट लिस्ट में शामिल और खालिस्तानी समर्थक सिख फॉर जस्टिस आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अब मोहाली स्थित चंडीगढ़ एयरपोर्ट के बाहर खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लिखवा दिए। पन्नू ने इसका वीडियो भी जारी किया है। इतना ही नहीं उसने आज से एयर इंडिया की फ्लाइट्स का बायकॉट करने का ऐलान भी कर दिया है।

हमारी पहुंच यहां तक, एआई से उड़ान न भरें'

आतंकी पन्नू ने धमकी देते हुए कहा कि एसएफजे की अमृतसर-अहमदाबाद-दिल्ली हवाई अड्डों तक पहुंच है। सिख राष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए 19 नवंबर के बाद एयर इंडिया से उड़ान न भरें क्योंकि इससे भविष्य की सिख पीढ़ियों को खतरा होगा।

दिल्ली एयरपोर्ट बंद करने की धमकी

कुछ दिन पहले भी आतंकी पन्नू ने

वीडियो जारी किया था। जिसमें उसने कहा था कि 19 नवंबर को एयर इंडिया की फ्लाइट में यात्रा न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपकी जान को खतरा हो सकता है। पन्नू ने 19 नवंबर को दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को बंद करने की धमकी दी थी। उसने कहा था कि 19 नवंबर वही दिन है, जिस दिन क्रिकेट वर्ल्ड क प का फाइनल है।

इसके साथ आतंकी पन्नू ने वीडियो में कहा था है कि भारत ने सिखों पर अत्याचार किया है। पंजाब को भारत से अलग होने के बाद वह दिल्ली एयरपोर्ट का नाम बदल कर नाम बेअंत सिंह, सतवंत सिंह के नाम पर रखेंगे। बता दें कि बेअंत सिंह और सतवंत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के अंगरक्षक थे। इन दोनों ने 31 अक्टूबर को दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

आतंकी निज्जर की हत्या से बौखलाया है पन्नू

18 जून को कनाडा में हुई आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से ही पन्नू बौखलाया हुआ है। वो आए दिन भारत को व कनाडा में भारतीय राजदूतों को धमकाता आ रहा है। कनाडा और भारत के बीच पैदा हुए विवाद में भी आतंकी पन्नू का अहम योगदान है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में जा रहे जवानों की कार दुर्घटनाग्रस्त,छह की मौत

नागौर,19 नवम्बर 2023 (ए)। राजस्थान के नागौर जिले के खींवसर थाने के छह पुलिसकर्मियों की रविवार तड़के चूरू के सुजानगढ़ सदर थाना इलाके में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। हादसे में एक पुलिसकर्मी घायल है। उसे नागौर के जेएलएन अस्पताल से जोधपुर के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाकर रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार झुंझुनूं में रविवार को होने वाली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा की सुरक्षा के लिए नागौर के खींवसर थाने के जवान जायलो कार से झुंझुनूं जा रहे थे। इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 58 पर चूरू जिले के काणुता व खाबडियाना के बीच जायलो कार ट्रेले से टकरा गई।

मौके पर पांच पुलिसकर्मियों रामचंद्र, कुंभाराम, थानाराम, लक्ष्मण सिंह और सुरेश की मौत हो गई। कांस्टेबल सुखाराम और हेड कांस्टेबल सुखराम को घायलावस्था में नागौर के जेएलएन अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से दोनों को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जोधपुर रवाना किया गया। रास्ते में एक जवान ने दम तोड़ दिया।

मजदूरों को सुरंग से निकालने के लिए बनी पांच विकल्पों वाली कार्ययोजना

अनुराग जैन ने बताया कि, सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को मल्टीविटामिन,अवसादरोधी दवाएं और मेवे भेज रही है सरकार

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023 (ए)। उत्तरकाशी में सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए अभियान आठवें दिन भी जारी रहा. सिल्कयारा टनल से मजदूरों को निकालने के लिए पांच विकल्पों वाली कार्ययोजना अपनाई जाएगी. सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने सरकार के फैसले के बारे में जानकारी दी.

उत्तरकाशी में सुरंग ढहने से फंसे श्रमिकों को बचाने के लिए सरकार को पांच वैकल्पिक योजनाओं पर काम कर रही है. केंद्र सरकार ने शनिवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की थी, जिसमें श्रमिकों को बचाने के लिए पांच विकल्पों पर विभिन्न एजेंसियों के साथ चर्चा की गई.

सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने रविवार को कहा कि सरकार उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले

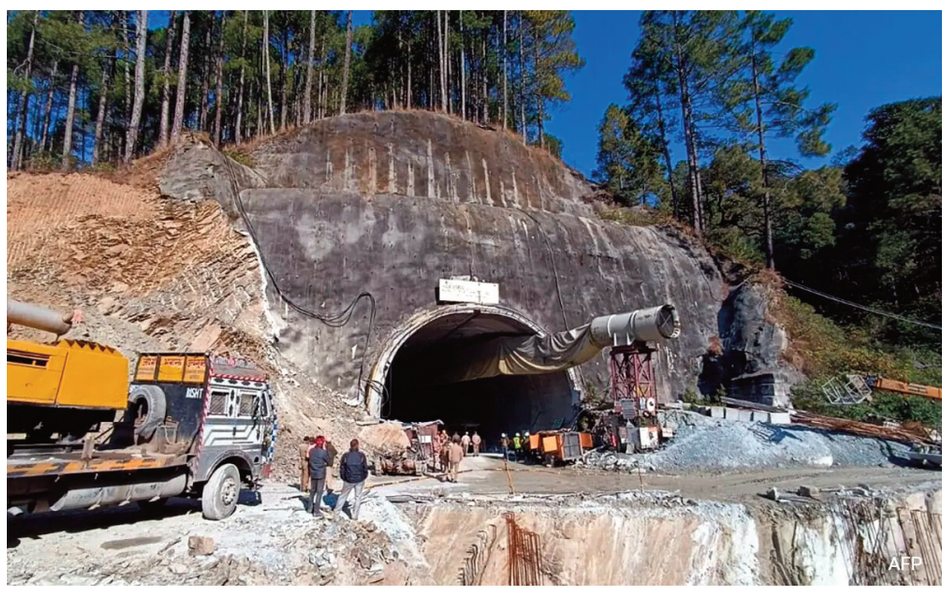

में निर्माणाधीन सुरंग के ढहने के बाद उसमें पिछले सात दिनों से फंसे 41 श्रमिकों को मल्टीविटामिन, अवसादरोधी दवाओं के साथ ही सूखे मेवे भेज रही है.

अनुराग जैन ने कहा, ''सौभाग्य से, अंदर रोशनी है क्योंकि बिजली चालू है. वहां एक पाइपलाइन है और इसलिए पानी उपलब्ध है. चार इंच का एक पाइप है, जिसका उपयोग 'कंप्रेशन (दबाव) के लिए किया गया था. उसके माध्यम से, हम पहले दिन से खाद्य सामग्री भेज रहे हैं.

जैन ने उत्तरकाशी सुरंग बचाव अभियान की ताजा जानकारी देने के लिए एक वीडियो जारी किया. उन्होंने कहा कि सुरंग के अंदर दो किलोमीटर के हिस्से में पानी और बिजली उपलब्ध है, जो उत्तरकाशी के सिल्क्यारा में 4.531 किलोमीटर लंबी दो लेन वाली सुरंग का तैयार हिस्सा है.

उन्होंने कहा, हम उत्तरकाशी के सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग के अंदर फंसे श्रमिकों को मल्टीविटामिन, अवसादरोधी दवाएं और सूखे मेवे भेज रहे हैं.

उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सिलक्यारा सुरंग केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी चारधाम 'आलवेदर सड़क (हर मौसम में आवाजाही के लिए खुली रहने वाली सड़क) परियोजना का हिस्सा है.

पीएम मोदी,खड़गे,सोनिया व राहुल ने इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023 (ए)।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत की पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि।

खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर शक्ति स्थल पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल सहित कई वरिष्ठ नेताओं और अन्य लोगों ने भी पूर्व प्रधान मंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इंदिरा गांधी भारत की पहली और

एकमात्र महिला प्रधान मंत्री थीं। 1966 में लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद वह प्रधानमंत्री बनीं। 19 नवंबर 1917 को जन्मीं इंदिरा गांधी जनवरी 1966 से मार्च 1977 तक और फिर जनवरी 1980 से अक्टूबर 1984 में अपनी हत्या तक प्रधानमंत्री रहीं।

पीएम मोदी ने रानी लक्ष्मीबाई को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को रानी लक्ष्मीबाई को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय नारी शक्ति की वीरता की प्रतीक रानी लक्ष्मीबाई को उनकी जयंती पर मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि।

विदेशी शासन के अत्याचारों के खिलाफ उनके साहस, संघर्ष और बलिदान की कहानी देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी। कांग्रेस नेता खड़गे ने भी रानी लक्ष्मीबाई को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी और कहा, हम लड़ेंगे ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां अपनी आजादी का जश्न मना सकें -रानी लक्ष्मीबाई जी। खड़गे ने आगे कहा,अद्वितीय साहस, शौर्य और अभूतपूर्व शौर्य की प्रतीक, 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध झंडा बुलंद करने वाली महान वीरांगना झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर हम उन्हें शत-शत नमन करते हैं।

कॉलेजियम की अनुशंसा पर केंद्र की लेट-लतीफी के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को दो याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है, जिसमें न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण के लिए कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित नामों को मंजूरी देने में केंद्र की ओर से देरी का आरोप भी शामिल है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ सोमवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत ने सात नवंबर को याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा था कि उच्च न्यायपालिका में कॉलेजियम की अनुशंसा वाले न्यायाधीशों की नियुक्ति में

तबादलों का लंबित रहना चिंताजनक

पीठ ने कहा था, 'स्थानांतरण मामलों का लंबित रहना बड़ी चिंता का विषय है क्योंकि यह चुनिंदा तरीके से किया गया है। अटॉर्नी जनरल का कहना है कि यह मुद्दा उनके द्वारा सरकार के साथ उठाया जा रहा है।' उसने कहा था, ''पीठ ने कहा, 'ज्हमें उम्मीद है कि ऐसी स्थिति नहीं आएगी जहां इस अदालत या कॉलेजियम को कोई ऐसा निर्णय लेना पड़े जो (सरकार को) पसंद न हो।'

केंद्र का चुनिंदा रवैया परेशानी पैदा करने वाला है। इसने एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में स्थानांतरण के लिए अनुशंसित नामों के लंबित रहने पर भी चिंता व्यक्त की थी।

भारत ने दूसरी बार फिलिस्तीनी नागरिकों के लिए भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023 (ए)। इजरायल-हमास युद्ध के बीच भारत सरकार ने एक बार फिर गाजा पट्टी में प्रभावित फिलिस्तीनी नागरिकों के लिए बड़ी मदद भेजी है।रविवार को नई दिल्ली से भारतीय वायुसेना का दूसरा सी-17 विमान 32 टन की सहायता सामग्री लेकर मिस्र के एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ।इस बीच भारत के विदेश मंत्रालय ने युद्ध प्रभावित फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि भारत आगे भी प्रभावित लोगों की मदद करता रहेगा।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर

इस बात की जानकारी दी।उन्होंने लिखा, हम फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे। भारतीय वायुसेना का दूसरा सी-17 विमान युद्ध प्रभावित फिलिस्तीनियों के लिए 32 टन राहत सामग्री लेकर मिस्र के एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गया है।इस राहत सामग्री में आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं, कंबल, टैंट, कपड़े सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल के ऊपर हमला

फेसबुक पर लाइव आकर महिला प्रत्याशी ने गोपाल भार्गव पर लगाया हत्या करवाने का आरोप

भोपाल,19 नवम्बर 2023 (ए)। मध्य प्रदेश में चुनाव के बाद तनाव का माहौल है। बताया जा रहा है कि रहली से कांग्रेस उम्मीदवार ज्योति पटेल के घर पर हमला हुआ है। उनकी गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई है। हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उपद्रवी हाथों में डंडे लेकर गाड़ियों में तोड़फोड़ करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

गढ़ाकोटा के गुंजौरा तिराहा पर कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल और उसके समर्थकों का स्थानीय लोगों से विवाद

हो गया, जिसके बाद मोहल्ले के लोगों ने कांग्रेसियों की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। हमले में तीन लोगों को चोटें आई हैं। इनमें से एक को सागर रेफर कर दिया गया है। विवाद के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। मौके पर कलेक्टर व एसपी भी पहुंच गए। एहतियात के तौर पर वहां 100 से अधिक पुलिस के बल को तैनात किया गया है। हमले का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें उपद्रवी हाथों में डंडे लेकर गाड़ियों में तोड़फोड़ करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

फेसबुक पर लाइव आकर लगाया आरोप

ज्योति पटेल ने फेसबुक लाइव आकर भाजपा प्रत्याशी मंत्री गोपाल भार्गव और उनके बेटे अभिषेक भार्गव पर हमला करवाने का आरोप लगाया। ज्योति ने अपने इस वीडियो में गोली चलाने, वाहनों में तोड़फोड़ करने और उनके लोगों के साथ मारपीट करने के आरोप भी लगाए। साथ ही खुद की हत्या होने की आशंका भी जाहिर की।

पटना में छठ पूजा महोत्सव के अवसर पर व्रती महिला डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हुए ।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना | लेख एवं विचार अभिव्यक्ति | अम्बिकापुर ,सोमवार 20 नवम्बर 2023

संपादकीय

आत्म-हानि की प्रवृत्ति

प्रदूषित शहरों की विश्व सूची में भारतीय शहर आज सबसे ऊपर आते हैं, तो यह कोई संयोग नहीं है। यह इस देश का अपना चयन है। जाहिर है, ऐसा भारतवासियों की सेहत- और यहां तक कि उनकी जान के लिए खतरा बढ़ाने की कीमत पर किया गया है।

खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति एक दिमागी बीमारी है। कोई व्यक्ति ऐसी बीमारी से पीड़ित हो जाए, तो उसे मनोचिकित्सक के पास ले जाना पड़ता है। लेकिन अगर किसी समाज पर ऐसी सामूहिक प्रवृत्ति हावी हो जाए, तो उसका क्या इलाज है, यह समझना कठिन हो जाता है। यह मसला इसलिए अहम है, क्योंकि फिलहाल हमें भारतीय समाज के एक बड़े हिस्से में ऐसी प्रवृत्ति बढ़ने के संकेत देखने को मिल रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो इस समय राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों के लोगों को जहरीली हवा में सांस नहीं लेना पड़ता। प्रदूषित हवा झेल रहे इस क्षेत्र के लोगों पर प्रकृति ने दिवाली से ठीक पहले रहम दिखाई। अचानक हुई बारिश ने वातावरण को स्वच्छ कर दिया। अगर समाज का विवेक कायम होता, तो लोगों की स्वाभाविक प्राथमिकता इस वातावरण की रक्षा करनी होती। लेकिन दिवाली को जिस सुनियोजित ढंग से वातावरण को फिर से जहरीला बनाया गया, अब वह बहुचर्चित कहानी है।

लेकिन बात सिर्फ यहीं तक नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने के आरंभ में केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने राज्यों के बिजली मंत्रियों की एक बैठक आयोजित की। उसमें मुख्य रूप से नए कोयला संचालित बिजली संयंत्रों की स्थापना पर विचार किया गया। उसी रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा दशक भर बाद देखने को मिला है। जिस समय दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन की गति धीमी करने के लिए जीवाश्म ऊर्जा का उपयोग घटाने और अक्षय ऊर्जा पर जोर देने का रुझान है, स्पष्टतः भारत उसके उलटी दिशा में जा रहा है। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने जिस बेपरवाह रुख के साथ पर्यावरण संबंधी नियम-कानूनों में ढील दी है और उन पर अमल की निगरानी व्यवस्था को कमजोर किया है, उसका उल्लेख भी इस सिलसिले में किया जा सकता है। दरअसल, प्रदूषित शहरों की विश्व सूची में भारतीय शहर आज सबसे ऊपर आते हैं, तो यह कोई संयोग नहीं है। यह इस देश का अपना चयन है। जाहिर है, ऐसा भारतवासियों की सेहत- और यहां तक कि उनकी जान के लिए खतरा बढ़ाने की कीमत पर किया गया है।

छठ सूर्य देव की पूजा को समर्पित पर्व है

» प्रकृति से जुड़ा यह पर्व आध्यात्मिक चेतना जगाता है
» आओ त्योहारों के मौसम में छठ पर्व की बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाए
» आओ हंसियों की फुलझड़ियां जलाकर जिंदगी को महकाएं

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस, जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है, क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम छठ की पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम छठ पर्व की बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाने की करें तो, छठ पूजा का त्योहार 17 नवंबर से शुरू हुआ। इस साल छठ पूजा 19 नवंबर को हुई। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और इसी के साथ छठ पूजा का समापन व व्रत पारण किया जाएगा। छठ पर्व की शुरूआत नहाय-खाय के साथ होती है। इसके दूसरे दिन को खरना कहते हैं। इस दिन व्रती को पूरे दिन व्रत रखना होगा। शाम को व्रती महिलाएं खीर का प्रसाद बनाती हैं। छठ व्रत के तीसरे दिन सूर्य देव की पूजा की जाती है। इस दिन महिलाएं शाम के समय तालाब या नदी में जाकर सूर्य भगवान को अर्घ्य देती है। चौथे दिन सूर्य देव को जल देकर छठ पर्व का समापन किया जाता है। इस त्योहार को सबसे ज्यादा बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बंगाल में मनाया जाता है। साथ ही इसे नेपाल में भी मनाया जाता है। इस त्योहार को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। छठ पूजा का पर्व संतान के लिए रखा जाता है। छठ में 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है।

साथियों बात अगर हम माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 18 नवंबर 2023 को देर शाम छठ पर्व पर बधाई संदेश की करें तो उन्होंने छठ पूजा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं।राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा, छठ पूजा के शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। छठ सूर्य देव की पूजा को समर्पित पर्व है। यह नदियों, तालाबों और पानी के अन्य स्त्रोतों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है। प्रकृति से जुड़ा यह पर्व आध्यात्मिक चेतना जगाता है और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है। छठ पूजा हमें अपने परिवेश को स्वच्छ रखने और अपने दैनिक जीवन में अनुशासन का पालन करने की याद दिलाती है।आइए हम अपने जल संसाधनों और पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाकर प्रकृति माँ का सम्मान करने का संकल्प लें। इस शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों की खुशी और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हूं।

साथियों बात अगर हम खुशी के छठ पर्व पर प्रसन्नता की बात करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशियों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम छठ के इस पावन पर्व पर मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुतः प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैंः अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है।ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को ज़रूर लुटाइए फ़िर देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा ।भलाई करना कर्त्तव्य नहीं, आनन्द है । क्योंकि वह प्रसन्नता को पोषित करता है । सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब में नहीं होती । प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है । प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता शब्द का प्रयोग मानसिक या भावनात्मक अवस्थाओं के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की सकारात्मक या सुखद भावनाएं शामिल हैं। इसका उपयोग जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक कल्याण, यूडिमोनिया, उत्कर्ष और कल्याण के संदर्भ में भी किया जाता है इसलिए हर व्यक्ति ने इस गुण को अपने में समाहित कर जीवन को सफल बनाने के मंत्र को अपनाना चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि छठ सूर्य देव की पूजा को समर्पित पर्व है, प्रकृति से जुड़ा यह पर्व आध्यात्मिक चेतना जगाता है। आओ त्योहारों के मौसम में छठ पर्व की बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाए। आओ हंसियों की फुलझड़ियां जलाकर जिंदगी को महकाएं

भोले की मर्यादा

मैं भोले हूं भगत तुम्हारा,
क्या-क्या मैं कर जाऊंगा,
गीत तुम्हारे सांझ-सवेरे,
गाते-गाते तर जाऊंगा।
मैं भोले हूं ...
जीवन है जो भूल-भुलैया,
क्या उस पर चल पाऊंगा,
भोले के पदचिन्हों पर चल,
बस भोले-भोले गाऊंगा।
मैं भोले हूं ...
अहं माया तजकर जिसने भी,
जीवन समय बिताया है,
भोले नें उसे कर्म-पाठ का,
ककहरा सिखलाया है।
मैं भोले हूं .....
ये दिखलावे की दुनिया है,
व्यर्थ समय तू गवां रहा,
समय दिया जिसने अपनों को,
जीवन सफल बनाया है।
मैं भोले हूं ....
आओ मिलकर हम जीवन की,
सच्चाई का ध्यान धरें,
भोले की मर्यादा में रह,
खुद जीवन पूर्णय महान करें।
मैं भोले हूं ...

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर मध्यप्रदेश

खोह की ध्वनि

खोह के द्वार अदृश्य हुए
अधिरों सा अब घूम रहा
मानों थकावट में चूर और
कदम लड़खड़ाते झूम रहा।
ज्यों ही आगे बढ़ने लगता
घिर आती तन्हाई
एक आहट सुनाई देने लगती
फावड़ा कुदाल कनस्तर का
दूर मेल धुनाई देने लगती
कुछ लोग लसलसा कीच को
मैले लिबास में साफ कर रहे थे
काले कीच को काले खोह में
काले भाग्य संग ढाँप रहे थे।
लगता है मानों ये सभी
अशिक्षित अनपढ़ है
जो अज्ञानता में पिछड़े हुए हैं
या किसी ने गर्त में धकेल दिए हैं।
और उससे उच्च
ओहदे सकेल लिए हैं
ऐसी जिल्लत जिंदगी से निजाद
शिक्षा जागरूकता और
तार्किकता से ही मिलेगी
तभी निम्न
तबकों की मुक्ति मिलेगी।।

चन्द्रकांत खुंटे क्रांति
जांजगीर-चांपा छत्तीसगढ़

विश्वप्रसिद्ध नालन्दा विश्वविद्यालय को जलाने वाले बख्तियार खिलजी की कैसे हुई थी मौत?

असल में ये कहानी है सन 1206 ईसवी की...! 1206 ईसवी में कामरूप (असम) में एक जोशीली आवाज गूंजती है...

बख्तियार खिलज़ी तू ज्ञान के मंदिर नालंदा को जलाकर सकामरूप (असम) की धरती पर आया है... अगर तू और तेरा एक भी सिपाही ब्रह्मपुत्र को पार कर सका तो मां चंडी (कामातेश्वरी) की सौगंध मैं जीते-जी अग्नि समाधि ले लूंगा... राजा पृथु और , उसके बाद 27 मार्च 1206 को असम की धरती पर एक ऐसी लड़ाई लड़ी गई जो मानव अस्मिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है.

उस समय मुहम्मद बख्तियार खिलज़ी बिहार और बंगाल के कई राजाओं को जीतते हुए असम की तरफ बढ़ रहा था। इस दौरान उसने नालंदा सविश्वविद्यालय को जला दिया था और हजारों बौद्ध, जैन और हिन्दू विद्वानों का कत्ल कर दिया था। नालंदा विवि में विश्व की अनमोल पुस्तकें, पाण्डुलिपियाँ, अभिलेख आदि जलकर खाक हो गये थे।

यह खिलज़ी मूलतः अफगानिस्तान का रहने वाला था और मुहम्मद गोरी व कुतुबुद्दीन एबक का रिश्तेदार था,बाद के दौर का अलाउद्दीन खिलज़ी भी उसी का रिश्तेदार था.

असल में वो खिलज़ी, नालंदा को खाक में मिलाकर असम के रास्ते तिब्बत जाना चाहता था । क्योंकि, तिब्बत उस समय... चीन, मंगोलिया, भारत, अरब व सुदूर पूर्व के देशों के बीच व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र था तो खिलज़ी इस पर कब्जा जमाना चाहता था.... लेकिन, उसका रास्ता रोके खड़े थे असम के राजा पृथु... जिन्हें राजा बरथू भी कहा जाता था... आधुनिक गुवाहाटी के पास दोनों के बीच युद्ध हुआ।

राजा पृथु ने सौगन्ध खाई कि किसी भी सूरत में वो खिलज़ी को ब्रह्मपुत्र नदी पार कर तिब्बत की और नहीं जाने देंगे... उन्होने व उनके आदिवासी यौद्धाओं नें जहर बुझे तीरों, खुकरी, बरछी और छोटी लेकिन घातक तलवारों से खिलज़ी की सेना को बुरी तरह से काट दिया। स्थिति बेकाबू देखकर.... खिलज़ी अपने कई सैनिकों के साथ जंगल और पहाड़ों का फायदा उठा कर भागने लगा...! लेकिन,

असम वाले तो जन्मजात यौद्धा थे..और, आज भी दुनिया में उनसे बचकर कोई नहीं भाग सकता.... उन्होने, उन भगोडों खिलज़ियों को अपने पतले लेकिन जहरीले तीरों से बींध डाला....अन्त में खिलज़ी महज अपने 100 सैनिकों को बचाकर ज़मीन पर घुटनों के बल बैठकर क्षमा याचना करने लगा....खिलज़ी रास्ते भर इतना बेइज्जत हुआ कि जब वो वापस अपने ठिकाने पंहुचा तो उसकी दास्ताँ सुनकर उसके ही भतीजे अली मर्दान ने ही उसका सर काट दिया...।

साभार... सुमन के फेसबुक वॉल से

डॉक्टरी बना कारोबार,झोलाछाप कर रहे उपचार

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

देशभर में खासकर गांवों में बिना जरूरी डिग्री वाले डॉक्टरों की भरमार है। कोई तीन-चार साल तक मेडिकल स्टोर पर काम करने के बाद डॉक्टर बन जा रहा है, तो किसी के पूर्वज इलाज करते आ रहे हैं। ये लोग मरीजों को दर्द निवारक दवाएं व इंजेक्शन की बदौलत तुरंत आराम तो दिला देते लेकिन इसका दुष्प्रभाव मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। ये झोलाछाप डॉक्टर (वे डॉक्टर जो न तो पंजीकृत हैं और न ही उनके पास उचित डिग्री है) नकली दवाओं के साथ इलाज कर मरीजों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे है। ऐसा भी देखा गया है कि कई झोलाछाप डाक्टर नशे के व्यापार से भी जुड़े हुए हैं। ऐसे में गावों में चल रहे ये क्लीनिक नशेड़ियों की पौध को पैदा करने में जुटे हुए है। मगर देश भर में प्रशासन को जानकारी के बावजूद इन पर नकेल कसने की कोई कार्रवाई अंजाम नहीं दी जाती।

पूरी दुनिया में डॉक्टर भगवान् के रूप में लोगों को नज़र आये है और ऐसा हो भी क्यों न? दूसरों को निस्वार्थ भाव से जिंदगी उपहार देने वाले भगवान ही तो है। मगर सरकारी आँकड़ों के अनुसार भारत के 1।3 बिलियन लोगों के लिये देश में सिर्फ 10 लाख पंजीकृत डॉक्टर हैं। इस हिसाब अगर देखा जाये तो भारत में प्रत्येक 13000 नागरिकों पर मात्र 1 डॉक्टर मौजूद है। जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संदर्भ में 1ः1000 अनुपात को जायज़ और जरूरी मानता है, यानी हमारे देश में प्रत्येक 1000 नागरिकों पर 1 डॉक्टर होना अनिवार्य है। लेकिन ऐसा करने के लिए भारत को वर्तमान में मौजूदा डॉक्टरों की संख्या को कई गुना करना होगा। जहाँ एक ओर शहरी क्षेत्रों में 58 प्रतिशत योग्य चिकित्सक है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह आँकड़ा 19 प्रतिशत से भी कम है। योग्य चिकित्सकों के अभाव में देश में में झोलाछाप डाक्टरों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। इन झोलाछाप डॉक्टरों के कारण मरीजों की जान सासत में है। इस मामले में स्वास्थ्य विभाग आखें मूंदे बैठा है। विभाग की अनदेखी के कारण झोलाछाप डाक्टर चाँदी कूट रहे है। गाँवों में तो ये स्थिति और भी बदतर है। भारत के प्रत्येक गाव में कई-कई झोलाछाप डाक्टर मरीजों को लूट रहे हैं। यह धधा इतना चंगा हो गया है कि लोग धड़ल्ले से इस व्यवसाय में एंट्री कर रहे है। गावों में इस प्रकार के झोलाछाप डाक्टर सरेआम क्लीनिक चलाकर लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी से देश में बड़ी संख्या में झोलाछाप पनप रहे हैं। गांवों से लेकर शहरों तक हर जगह ऐसे डॉक्टर क्लीनिक खोलकर मरीजों का इलाज कर रहे हैं, जिनके पास मेडिकल की डिग्री तक नहीं है। अधिकांश डॉक्टर तो इंटरमीडिएट या स्नातक पास होते हैं। मरीजों की हालत बिगड़ने पर शहर के किसी निजी अस्पताल में रेफर कर देते हैं। इसका इनको कमीशन भी मिल जाता है। इस कमीशन का भार भी मरीज पर पड़ता है। माने तो इन झोलाछाप का धंधा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मेहरबानी से चल रहा है। इन अवैध कारोबारियों पर स्वास्थ्य महकमे के आला अधिकारियों की अनदेखी से इनके गोरखधंधे पर कोई आंच नहीं आती। इन झोलाछाप डॉक्टरों (वे डॉक्टर जो न तो पंजीकृत हैं और न ही उनके पास उचित डिग्री है) की संस्कृति हमारी स्वास्थ्य प्रणाली के लिये काफी खतरनाक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि भारत में 57।3त्न डॉक्टर वास्तव में बिना मेडिकल डिग्री के हैं। और, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि उनमें से ज्यादातर देश के ग्रामीण इलाकों में पाए जाते हैं।

इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट 1956, दिल्ली मेडिकल काउंसिल एक्ट 1997, ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स 1945 में कहा गया है कि केवल एक रजिस्टर्ड डॉक्टर ही एलोपैथिक दवा लिख सकता है। ÷भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए, भारतीय चिकित्सा केंद्रीय परिषद अधिनियम, 1970 कहता है कि भारतीय चिकित्सा पद्धति के अभ्यासी के अलावा कोई भी व्यक्ति जो किसी मान्यता प्राप्त चिकित्सा योग्यता रखता है और किसी राज्य रजिस्टर या भारतीय चिकित्सा के केंद्रीय रजिस्टर में नामांकित है, भारतीय में मेडिकल और किसी भी राज्य में मरीजों के लिए दवा लिखेगा। इसके अलावा यदि कोई अन्य ऐसा करता पाया तो उसके लिए इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 में कारावास की सजा का उल्लेख है जो एक वर्ष तक का हो सकता है या जुर्माना जो 1,000 रुपये तक हो सकता है या दोनों हो सकता है, दिल्ली मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1997 के तहत क्लॉज (27) में %कठोर दंड% का उल्लेख किया गया है । इसमें तीन साल तक की कैद या 20,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों हो सकते है। भारतीय दंड संहिता भी इन मामलों को धारा 429 (प्रतिरूपण), 420 (धोखाधड़ी) और 120 क्क (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत देखती है।मगर इतना होने के बावजूद देश में ऐसा हो क्यों रहा है? इस धंधे के इतना फूलने- फलने का कारण सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। साथ ही जो सरकारी मेडिकल अफसर है वो बड़े घरों से आते है और खासकर गाँवों में मरीज देखना पसंद नहीं करते, जिसकी वजह से उनका ध्यान अपने प्राइवेट हॉस्पिटल पर ज्यादा रहता है। झोलाछाप का धंधा फलने

फूलने के पीछे स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात डॉक्टरों की लापरवाही है। सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को समय से डॉक्टर नहीं मिलते। गावों के लोगों को सरकार द्वारा स्थापित स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टरों की कमी के कारण मरीजों को इन झोलाछाप डॉक्टरों की शरण में जाना पड़ रहा है। गांवों में बिना जरूरी डिग्री वाले डॉक्टरों की भरमार है। कोई तीन-चार साल तक मेडिकल स्टोर पर काम करने के बाद डॉक्टर बन जा रहा है, तो किसी के पूर्वज इलाज करते आ रहे हैं। ये लोग मरीजों को दर्द निवारक दवाएं व इंजेक्शन की बदौलत तुरंत आराम तो दिला देते लेकिन इसका दुष्प्रभाव मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। ये झोलाछाप डॉक्टर नकली दवाओं के साथ इलाज कर मरीजों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे है। ऐसा भी देखा गया है कि कई झोलाछाप डाक्टर नशे के व्यापार से भी जुड़े हुए हैं। ऐसे में गावों में चल रहे ये क्लीनिक नशेड़ियों की पौध को पैदा करने में जुटे हुए है। मगर देश भर में प्रशासन को जानकारी के बावजूद इन पर नकेल कसने की कोई कार्रवाई अंजाम नहीं दी जाती। इन फर्जी डॉक्टरों द्वारा मरीजों के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। देश भर में जगह-जगह बिना रजिस्ट्रेशन वाले डॉक्टर क्लीनिक चला रहे हैं। इतना ही नहीं क्लीनिकों के नाम बड़े शहरों के क्लीनिकों की तर्ज पर रखते है, जिससे लोग आसानी से प्रभावित हो जाते है। मरीज अच्छा डॉक्टर समझकर इलाज करवाते हैं, लेकिन उन्हें इस बात का पता नहीं रहता है कि उनका इलाज भगवान भरोसे किया जा रहा है। फर्जी डाक्टरों ने इस धंधे को और लाभदायक बनाने के लिए निजी अस्पतालों से भी सांठगांठ कर रखी है। मरीज की हालत ज्यादा गंभीर होने पर वो उसे वहां भेज देते हैं, जहां से उन्हें कमीशन के तौर पर फायदा होता है। फर्जी डॉक्टरों का ग्रामीण क्षेत्रों में धंधा खूब फल-फूल रहा है। फर्जी डॉक्टर ग्राम स्तर पर शाखाएं जमाए हुए हैं और बड़े डॉक्टरों की तर्ज पर बिना संसाधनों के क्लीनिक चलाते हैं। फर्जी डॉक्टर वहीं दवा लिखते है जिनमें उन्हें कमीशन मिलता है। अक्सर ऐसे मामले देखने को मिलते है कि फर्जी डॉक्टरों के इलाज से मरीज की जान पर आफत आ जाती है ।

हमारी शिक्षा प्रणाली भी ऐसे धंधों के को पनपाने में बराबर कि दोषी है। देश में हर साल कई फर्जी संस्थान हैं जो असंख्य फर्जी मेडिकल डिग्री सौंपते हैं। राजनेताओं के ऐसे निजी शिक्षा संस्थाओं से निहित स्वार्थ है जो इन सबको बढ़ावा दे रहे है। सरकार को ऐसे संस्थानों पर लगाम लगानी चाहिए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालयों को देश भर में जिला प्रशासन के साथ मिलकर इन झोलाछाप डॉक्टरों पर नकेल कसनी चाहिए और लोगों को भी इस दिशा में स्वयं जागरूक होना चाहिए कि वो इन झोलाछाप के पास न जाकर अपने गाँव के सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जाये। ग्रामीण पंचायतों को इस दिशा में ये प्रयास करना चाहिए कि उनके गाँव में स्वास्थ्य केंद्र पर कोई स्टाफ और जरूरी चिकित्सा सेवा उपकरणों की कमी न हो। अगर ऐसा है तो वो सरकार से मांग कर उनको सर्वप्रथम पूरा करवाए।

सरकारी चिकित्सिकों पर जहां ड्यूटी है वहां रात को भी रुकने की पाबंदी लगाई जाये। ग्रामीण क्षेत्र में सर्विस का नियम हर चिकित्सा कर्मी पर लागू कर उनके प्राइवेट प्रैक्टिस पर कानूनी पाबन्दी हो तो ये झोलाछाप स्वतः ही खत्म हो जायँगे।

ये दरी के चुनाव ह कुछ बदले-बदले असन लागीस

पैसा अउ दारू के
काकरो नही चलीस,
बुधारु ह अपन ईमान ल
डोलन नई दिस,
ये दरी के चुनाव ह कुछ बदले
बदले असन लागीस,
समारू ह अपन
अधिकार ल समझीस,
अउ ईमानदारी से वोट डालीस,
ये दरी के चुनाव ह कुछ बदले
बदले असन लागीस।
लालच देके अ
ब्बड़ कोशिश करीस,
लेकिन काकरो दाल नहीं गलिस,
ये दरी के चुनाव ह कुछ बदले
बदले असन लागीस।
चुनई तिहार म
सब्बो झन भाग लिस
काम बुता ल छोड़ के
वोट डाले बर गीस,
ये दरी के चुनाव ह कुछ बदले
बदले असन लागीस।
हर दरी ऐसने जागरूक होके
मतदान ल करबो,
देश के विकास में
अपन भागीदारी ल निभाबो,
जागरुकता ले मतदान के
प्रतिशत ह बढ़ हीस,
ये दरी के चुनाव ह कुछ बदले
बदले असन लागीस।

श्याम सुंदर साहू
,राजिम, गरियाबंद छत्तीसगढ़

तेलंगाना में कांग्रेस की उम्मीद

राहुल गांधी को जब राजस्थान में कड़ा मुकाबला दिखा था तब भी वे तेलंगाना में सरकार बनने को लेकर पूरी आश्वस्त थे। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में सरकार बना रही है। हालांकि पिछले दो चुनावों में कांग्रेस ने वहां अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। आंध्र प्रदेश से अलग नया राज्य बनवाने के बावजूद 2014 के चुनाव में कांग्रेस को राज्य की 119 में सिर्फ 21 सीटें मिली थीं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस की सीटें घट कर 19 रह गईं। चुनाव से पहले ऐसा लग रहा था कि तेलंगाना में मुकाबला एकतरफा है और एक बार फिर चंद्रशेखर राव की पार्टी भारत राष्ट्र समिति ही चुनाव जीतेगी। लेकिन मई में कर्नाटक में कांग्रेस को मिली बड़ी जीत के बाद सब कुछ बदल गया। कर्नाटक में मुस्लिम मतदाताओं ने कांग्रेस को एकमुश्त वोट किया। इसके बाद ही तेलंगाना का माहौल बदला।कर्नाटक के चुनाव से पहले भाजपा राज्य में बहुत सक्रिय थी लेकिन कर्नाटक के बाद अचानक वह शिथिल पड़ गई, जिससे यह प्रचार हुआ कि कांग्रेस को रोकने के लिए भाजपा ने चंद्रशेखर राव की पार्टी को रणनीतिक समर्थन दे दिया है। इससे भी मुस्लिम मतदाताओं का रूझान कांग्रेस की ओर बना। राज्य के रेड्डी मतदाता पारंपरिक रूप से कांग्रेस के साथ हैं। ऊपर से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी के उम्मीदवार नहीं उतारे और कांग्रेस को समर्थन दे दिया। भाजपा अब भी लड़ रही है लेकिन वह बहुत पीछे छूट गई है। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी भी 119 में से सिर्फ नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इस वजह से मुकाबला बीआरएस बनाम कांग्रेस है।

कर्नाटक की जीत से उत्साहित कांग्रेस नेताओं ने तेलंगाना में पूरी ताकत लगाई है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने खूब मेहनत की है। कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खड़गे की बनाई कांग्रेस कार्य समिति की पहली बैठक हैदराबाद में की और उसके बाद एक बड़ी रैली की। उसके बाद से कांग्रेस के बड़े नेता लगातार वहां डटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के आर्किटेक्ट रहे डीके शिवकुमार को वहां चुनाव लड़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। के चंद्रशेखर राव की सरकार के खिलाफ 10 साल की एंटी इन्कम्बैंसी भी एक फैक्टर है। सो, हालात की अनुकूलता, नेताओं की मेहनत, सामाजिक समीकरण और संसाधनों की वजह से कांग्रेस कड़ी टक्कर दे रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मुकाबले तेलंगाना का मामला अलग है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार दांव पर है तो मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस पिछली बार जीती थी। लेकिन तेलंगाना में कांग्रेस को सिर्फ 19 सीटें मिली थीं और उसमें से भी ज्यादातर विधायक बाद में पाला बदल कर बीआरएस के साथ चले गए थे। इसलिए वहां कांग्रेस का कुछ भी दांव पर नहीं है। इसलिए वहां उसका ताकतवर होना या जीत 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले की बड़ी बात होगी।

-हरिशंकर व्यास-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

20 NOVEMBER 2023 AMBIKAPUR_Layout 2 11/19/2023 11:27 PM Page 3

श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर की समृद्धि की कामना

लोक आस्था का महापर्व छठ का तीसरा दिन...छठ घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

लोक आस्था का महापर्व छठ हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रविवार की शाम को व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। सडक़ों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई श्रद्धालु अपने घर से दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे। इस दौरान परिवार के लोग भी उपस्थित थे। छठ घाट पर पहुंचने के बाद व्रतियों ने नदी तालाबों और जलाशयों में उतर कर स्नान किया। इसके बाद पानी में ही खड़े होकर श्रद्धालुओं ने दोनों हाथ से प्रसाद से भरे सूप से अस्ताचलगामी को अर्घ्य अर्पित किया। इस दौरान परिवार के लोगों ने लोटा में पानी और दूध से व्रतियों को अर्घ्य दिलाया। अर्घ्य अर्पित करने का सिलसिला सूर्यास्त होते तक चलता रहा।

लोक आस्था का महापर्व छठ यूपी, बिहार, झारखंड के साथ-साथ पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। अंबिकापुर में भी छठ करने वालों की संख्या प्रतिवर्ष बढ़ती जा रही है। छठ व्रतियों की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए लगभग हर मोहल्लों में छठ घाट बनाए गए हैं। शहर के प्रमुख शंकर घाट स्थित छठ घाट में प्रतिवर्ष काफी संख्या में श्रद्धालु छठ करने पहुंचते हैं। यहां महामाया छठ पूजा सेवा समिति द्वारा पूरी तैयारी की गई थी। समिति द्वारा व्रतियों की सुविधा को देखते हुए टेंट पंडाल सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की गई थी। इसी तरह शहर से लगे घुनघुट्टा नदी तट पर श्याम घुनघुट्टा छठ सेवा समिति द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी। यहां छठ व्रतियों के लिए समिति द्वारा टोकन की व्यवस्था की गई थी। टोकन के माध्यम से व्रतियों ने अपने-अपने स्थान पर पूजा की। यहां शहर के अलावा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

व्रतियों को यहां स्नान करने के लिए शुद्ध जल व पर्याप्त जगह काफी पसंद आई। इसी तरह शहर के शंकरघाट के अलावा मौलवी बांध, मैरीन ड्राइव तालाब, सतीपारा तालाब, जेल तालाब, खैरबार नहरपारा, गोधनपुर तालाब, खर्रा स्थित घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। छठ व्रत अटूट आस्था का पर्व है। मान्यता है कि छठ व्रत करने पर उनकी सारी मन्नतें पूर्ण होतीं हैं। ऐसे में श्रद्धाल अपने घर से ही दंडवत देते हुए छठ घाटों तक पहुंचे। अर्घ्य के लिए दोपहर करीब तीन बजे से ही सडक़ों एवं गलियों में व्रतियों की भीड़ दिखने लगी। महिलाएं छठी मइया का गीत गाते व पुरुष सिर में सूपा व दउरा रख नंगे पैर घाट की ओर रवाना हुए। जैसे-जैसे शाम होती गई, व्रतियों की भीड़ बढ़ती गई। व्रतियों की सुविधा के लिए सडक़ों से लेकर घाटों तक विशेष व्यवस्था की गई थी। व्रतियों को परेशानियों से बचाने के लिए सडक़ों की साफ-सफाई हुई थी। छठ घाटों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने डूबते भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया। छठ घाटों पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस मुस्तैद रही। सबसे ज्यादा भीड़ शंकरघाट में देखने को मिली। यहां पुलिस द्वारा काली मंदिर के पास मोटरसाइकिल की पार्किंग एवं संजय पार्क बैरियर से तकिया मोड़ तक चार पहिया वाहनों को रोक दिया गया था।

आज सुबह उगते सूर्य को देंगे अर्घ्य

सोमवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व 36 घंटे के कठिन उपवास का भी समापन होगा। शाम को अर्घ्य देने के बाद कई छठ व्रती पूरी रात घाट पर ही रुकें। जबकि और लोग अपने-अपने घर वापस चले गए थे।

संदिग्ध परिस्थिति में महिला की मौत, परिजन ने लगाया पति पर हत्या का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जयनगर थाना क्षेत्र के ग्राम चंदोइडांड़ निवासी एक महिला की मौत संदिग्ध परिस्थिति में हो गई। शनिवार की शाम को उसका पति उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। वहीं मृतका के पिता ने उसके पति पर हत्या करने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार सुखमनिया पति फुल साय उम्र 42 वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र के चंदोइडांड़ की रहने वाली थी। 18 नवंबर को महिला का पति मजदूरी करने गया था। शाम को वापस घर लौटा तो उसकी पत्नी घर में अचेत थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं मृतका के पिता जयलाल का कहना है कि मेरी बेटी को उसके पति ने मारपीट कर मौत के घाट उतार दिया है। आए दिन उसेके साथ मारपीट करता था। घटना दिवस भी उसके साथ मारपीट की गई थी। मारपीट किए जाने से उसकी मौत हो गई है। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम किया है।

महिला की फंदे पर मिली लाश, शक के दायरे में पड़ोसी युवक

- संवाददाता -
बलरामपुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के बसंतपुर थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत फुलीडूमर के केरवापारा में पंडो जनजाति की महिला की बीते दिनों संदिग्ध अवस्था में मौत हुई थी। मामले में पति ने आवेदन देकर पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की है।

दरअसल, जिस महिला राजपति पंडो की मौत संदिग्ध परीस्थिति में हुई थी, उसका पति रामपति पंडो चेन्नई में रहकर मजदूरी का काम करता है। महिला की बेटी का भी विवाह हो चुका है, जो अपने पति के साथ रहती है. मृत महिला अपने घर में अकेले रहती थी, जिसकी 12 नवंबर को फांसी पर लटकी हुई लाश घर में ही मिली थी. घटना की जानकारी पड़ोसियों को तब लगी जब उसके घर में ताला लगा पाया। शाम को ताला खोलने के बाद लोग अंदर महिला की फंदे पर लटकती लाश को देखकर आश्चर्यचकित रह गए, क्योंकि एक दिन पूर्व ही मृतक महिला ने पड़ोस की एक महिला को अपने घर में बुलाकर साथ में ही खाना-पीना खाया था. खाने पीने में बगल का ही एक पड़ोसी लड़का भी शामिल था।

विस्फोटक सामान सप्लाई करते ट्रक ड्राइवर पकड़े गए,दोनों से पूछताछ जारी

- संवाददाता -
बलरामपुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में बलरामपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. वाहन चेकिंग के दौरान दो ट्रक से बड़ी मात्रा में पुलिस ने विस्फोटक सामग्री जब्त किया है. जब्त विस्फोटक सामग्री और दो ट्रक की कीमत लगभग 83 लाख बताई जा रही है. यह मामला बलंगी थाना क्षेत्र का है । जानकारी के अनुसार, वाहन चेकिंग के दौरान बलंगी पुलिस ने दो ट्रक से ऑप्टिमेक्स प्रिल्ड अमोनियम नाइट्रेट 63 टन विस्फोटक सामग्री जब्त किया है. साथ ही परिवहन कार्य में लगे दो ट्रक को भी जब्त किया. बताया जा रहा है यह कार्रवाई परिवहन शर्तों के उल्लंघन करने पर की गई है. जब्त विस्फोटक और ट्रक सहित सामग्री की कीमत 83 लाख बताई जा रही है।

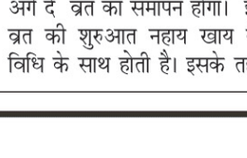

वन्य प्राणी शाही के शिकार के लिए सुरंग नुमा गुफा में घुसा शिकारी खुद हो गया शिकार

जहरीला धुंआ बना काल,जहरीला धुंआ करने पर हो गई मौत

- संवाददाता -
सुरजपुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

वन्य प्राणी शाही के शिकार के लिए गुफा से बाहर निकालने जहरीला धुंआ करने पर शिकारी खुद शिकार हो गया। सुरंग नुमा गुफा के भीतर उसकी मौत हो गई। यह घटना रमकोला थाना क्षेत्र के जंगल में हुई। डीडीआरएफ , यसडीआरएफ की संयुक्त टीम ने गुफा से शव को बाहर निकालने में सफलता पाई। घटना के संबंध में एसडीआरएफ टीम के मुताबिक अलय कुमार पिता रामप्रसाद अगरिया 22 वर्ष, घटना दिनांक 17 नवंबर को रमकोला जंगल में शाही के शिकार के लिए गया था , सुरंग नुमा गुफा नजर आने पर वह भीतर शाही होने की उम्मीद में बाहर निकालने जहरीला धुंआ करने लगा, काफी देर बाद भी किसी जंतु के बाहर नहीं निकलने पर वह गुफा में घुस गया मगर बाहर नहीं निकल पाया, उसके साथ में मौजूद अन्य ग्रामीणों के द्वारा दो दिन बाद घटना की सूचना पंचायत प्रतिनिधियों को दी गई। सूचना पर 19 नवंबर को सूरजपुर जिला सेनानी संजय गुप्ता के मार्गदर्शन में डी डी आर एफ ,यसडीआरएफ की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मश्क्कत से नाइट विजन कैमरा ,बीए सेट के साथ एवं अन्य उपकरण की मदद से टीम प्रभारी बीरबल गुप्ता, बृज बिहारी गुप्ता,धनसाय, बेला प्रताप, देवनारायण, कृष्णा सिंह, महबूब के द्वारा रेसक्यू कर शव बहार निकाल रामकोला पुलिस को सुपुर्द किया गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि जहरीले धुंए की वजह से उसकी मौत हुई होगी। गुफा में दो दिन तक फंसे होने के कारण शव सीधा और अकड़ा हुआ था।

स्कॉर्पियो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम मेन्ड्राकला चौक के पास रविवार की सुबह स्कॉर्पियो ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। इससे युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार प्रकाश दास पिता परमोहन दास उम्र 40 वर्ष लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सिरकोतंगा का रहने वाला था। वह रविवार की सुबह बाइक से ड्यूटी करने लोधिमा जा रहा था। रास्ते में मेन्ड्राकला चौक के पास सामने से आ रही स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में प्रकाश गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कीटनाशक सेवन कर महिला ने दी जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

अज्ञात कारण से एक महिला कीटनाशक सेवन कर ली थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मानमति पति भुपेन्द्र उम्र 32 वर्ष ग्राम पलगड़ी थाना दरिमा की रहने वाली थी। वह शनिवार की रात को अज्ञात कारण से कीटनाशक सेवन कर ली थी। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जिले भर में धूम-धाम से मनाया गया छठ महापर्व

- संवाददाता -
सुरजपुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले भर में छठ पर्व का धूम रहा ।रविवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पण के साथ पूजा अर्चना किया गया वही सोमवार को उगते सूर्य को अर्ग दे व्रत का समापन होगा। इस व्रत की शुरुआत नहाय खाय की विधि के साथ होती है। इसके तहत व्रती सुबह घरों की साफ-सफाई करते हैं और स्नान करने के बाद मिट्टी के चूल्हे पर अरवा चावल के भात, चने की दाल और लौकी कद्दू की सब्जी बनाते हैं। इससे पहले व्रती सूर्य देवता को भोग लगाते हैं और अपने स्वजनों की मंगल कामना करते हैं।

हर वर्ष की भांति छठ घाट में बनाया गया है घाट

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला मुख्यालय छठ घाट को दुल्हन की तरह सजाया गया । समिति के द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए है।

उल्लेखनीय है की छठ व्रती बिना किसी बाधा के इस अनुष्ठान को तप और निष्ठा के साथ पूरा करते है। शनिवार को खरना किया गया था। रविवार को भगवान सूर्य को शाम को अर्घ्य दिया गया। इसके बाद सोमवार को उगते सूर्य को प्रात:अर्घ्य दिया जाएगा। जिला मुख्यालय के के छठ घाट सहित जिले के अन्य जगहों पर छठ पूजा बड़ी संख्या में मनाते है । इन जगहों पर नदी व तालाबों में पूजा के लिए घाट बनाया गया है। जहां पर डूबते व उगते सूर्य को अर्घ्य दिया गया वही सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

C M Y K

20 NOVEMBER 2023 AMBIKAPUR_Layout 2 11/19/2023 11:27 PM Page 4

कैलिफोर्निया में शख्स को सुनाई गई 707 साल की जेल,16 लड़कों से छेड़छाड़ का दोषी ठहराया गया

वॉशिंगटन,19 नवम्बर 2023 । अमेरिका में एक व्यक्ति को शुक्रवार को 707 साल की सजा सुनाई गई है। उस पर 16 लड़कों के साथ छेड़छाड़ करने और एक अन्य को पोर्नोग्राफी दिखाने का आरोप था। एक जूरी ने उसे 34 अपराधों का दोषी ठहराया, जिसमें एक 14 साल से कम उम्र के नाबालिग के साथ अश्लील और घृणित कृत्यों के आरोप शामिल थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ितों के साथ जब दुर्व्यवहार हुआ तब वे 2 से 14 उम्र के थे और मैथ्यू जकरजेवस्की (34 वर्षीय दोषी) की देखरेख में थे। सभी अपराध 2014 से 2019 के बीच हुए। पहला मामला मई 2019 में तब सामने आया, जब एक बच्चे के माता-पिता ने अपने आठ साल के बेटे को अनुचित तरीके से छूने के लिए पुलिस को रिपोर्ट की। इसके बाद जांच आगे बढ़ी तो दक्षिण कैलिफोर्निया में 11 पीड़ितों का पता चला।

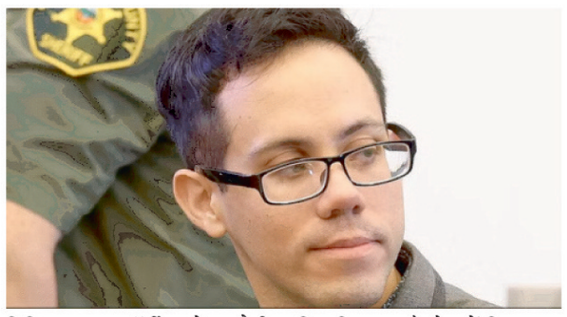

अदालत में ऑरेंज काउंटी डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी ने दोषी जकरजेवस्की को %मुस्कुराहट और खिलखिलाहट के वेश में छिपा हुआ राक्षस% करार दिया। ऑरेंज काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी टॉड स्पिट्जर ने कहा, यह बिखरती मासूमियत और कीमती बचपन का मामला है, जिसे 17 छोटे लड़कों से लूट लिया गया था। ये बच्चे उन लोगों को कभी नहीं जान पाएंगे कि उनके बचपन को बाधित करने में एक भेड़िया ने नहीं बल्कि देवता के रूप में छिपा हुआ एक शिकारी शामिल था।

उन्होंने कहा, उसे (दोषी) इन बच्चों की रक्षा करने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। उसकी एकमात्र रुचि इनकी मासूमियत का शिकार करने और अपनी बीमा यौन संतुष्टि के लिए हमलों को फिल्माने में थी। अपने कृत्यों पर पछतावे के बजाय जकरजेवस्की ने न्यायाधीश के सामने कहा, मुझे आपके बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाने में गर्व है और हमने जो भी अच्छा समय बिताया है वो सौ फीसदी वास्तविक था। उसने कोर्ट में पीड़ित परिवारों से कोई माफी नहीं मांगी और कहा, हमने जो भी अच्छे पल साझा किए वे सौ फीसदी वास्तविक थे।

ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन में ही कुत्ते ने काटा, गिफ्ट में भी मिला टेड्डी डॉगी

चिसीनाउ,19 नवम्बर 2023। यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति को कुत्ते ने काट लियाज्सुनकर हैरान हो गए न। लेकिन यह सच है। मजे की बात यह है कि ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को डॉग ने काटा भी तो कहां- अपने देश से 1500 किलोमीटर दूर। डॉग बाइट की तमाम खबरें तो आए दिन आती ही रहती हैं। देश-विदेश में डॉग बाइट अब आम हो चुका है लेकिन ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को कुत्ते के काटने की घटना अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। मीडिया रिपोर्ट के ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वार डेर बेलेन मोल्दोवना के दौरे पर हैं। इस दौरान, वे मोल्दोवन राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मैया संदू के साथ टहल रहे थे। इस दौरान वहां कुछ पालतू डॉग बंधे हुए थे। डॉग को देखकर बेलेन डॉग को सहलाने लगे, तभी उस डॉग ने उन्हें हाथ पर काट लिया। इस वजह से बेलेन अपनी अगली बैठकों में हाथों में पट्टी बांधकर ही शामिल हुए। डॉग बाइट के कारण संदू ने बेलेन से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि आस-पास अधिक संख्या में लोगों को देखकर डॉग घबरा गया था। इस वजह उसने बेलेन के हाथों पर काट लिया। मैं इसके लिए माफी मांगती हूं।

क्या इस्राइल,हमास के बीच होने वाला है कोई समझौता ? नेतन्याहू ने कही ये बात, बाइडन को दिया धन्यवाद

- संवाददाता -
तेल अवीव,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

इस्राइल और हमास के बीच बंधकों को रिहा करने को लेकर एक समझौते को लेकर बातचीत हो रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इस्राइल, अमेरिका और हमास के बीच बंधकों को रिहा करने का यह समझौता होने जा रहा है। इस समझौते के तहत इस्राइल पांच दिनों तक गाजा में सीजफायर को मंजूरी देगा। हालांकि इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने किया इनकार

बता दें कि इस्राइल पर इन दिनों भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव है कि वह गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई रोके। वहीं इस्राइल की सरकार साफ कर चुकी है कि जब तक उसके बंधक रिहा नहीं हो जाते और हमास का खात्मा नहीं हो जाता, वह अपना ऑपरेशन नहीं रोकेगे। नेतन्याहू ने कहा कि अभी तक की लड़ाई में हमने काफी कुछ हासिल किया है। हमने हजारों हमास के आतंकियों को ढेर किया है और इनमें हमास के वरिष्ठ कमांडर भी शामिल हैं। हमने सुरंगे तबाह की हैं और अभी भी कर रहे हैं। इस्राइल के रक्षा मंत्री ने भी माना कि कई मीडिया रिपोर्ट्स में कथित समझौते को लेकर दावा किया जा रहा है लेकिन अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि जब भी ऐसा कुछ होगा, तो वह इसके बारे में जानकारी जरूर देंगे।

अल शिफा अस्पताल से निकाले जाएंगे मरीज

वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एलान किया है कि इसके अधिकारी गाजा के अल शिफा अस्पताल से मरीजों और स्टाफ सदस्यों को अगले 24 से 72 घंटे में निकालने की तैयारी कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि अभी भी 25 स्टाफ सदस्य और 291 मरीज अस्पताल में मौजूद है। वहीं इस्राइली सेना भी अस्पताल में अपना ऑपरेशन चला रही है। अल शिफा अस्पताल के मरीजों को नासेर अस्पताल और यूरोपियन अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। हालांकि ये दोनों अस्पताल पहले से ही तय सीमा से ज्यादा मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ऐसे में और मरीजों के आने से इन अस्पतालों में हालात और खराब हो सकते हैं।

मसाला चाय और पराठे की खोज से खुला उज्बेकिस्तान में पहला भारतीय रेस्तरां,उज्बेकी लोग हुए दीवाने

समरकंद, 19 नवम्बर 2023। बंगलूरू के मोहम्मद नौशाद स्टील इंडस्ट्री में नौकरी के बाद रिटायरमेंट ले चुके थे और रिटायरमेंट के बाद उनकी योजना दुनिया घूमने की थी लेकिन उनकी किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। दरअसल मोहम्मद नौशाद उज्बेकिस्तान के समरकंद घूमने गए। इस दौरान एक सुबह उनका अपना मनपसंद नाश्ता मसाला चाय और पराठा खाने का मन हुआ तो वह भारतीय रेस्तरां की खोज में बाहर निकले और यह जानकर हैरान रह गए कि पूरे समरकंद में एक भी भारतीय रेस्तरां नहीं है।

यहीं से मोहम्मद नौशाद को समरकंद में पहला भारतीय रेस्तरां खोलने का विचार आया। आज %द इंडियन किचन% उज्बेकिस्तान में रहने वाले भारतीयों के लिए पसंदीदा जगह बनकर उभरा है। खासकर उज्बेकिस्तान में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्रों के बीच यह रेस्तरां काफी लोकप्रिय है। दरअसल भारतीय छात्र समरकंद में भारतीय खाने की कमी महसूस करते थे, इस कमी को %द इंडियन किचन% ने पूरा कर दिया है। मोहम्मद नौशाद का कहना है कि रिटायरमेंट के बाद काम करने की उनकी कोई योजना नहीं थी और साथ ही उन्हें रेस्तरां बिजनेस का भी कोई अनुभव नहीं था। जब मैं यहां पर्यटक के तौर पर आया था और मसाला चाय और पराठे की खोज में था, जिससे रेस्तरां खोलने का विचार आया।

61 वर्षीय नौशाद बताते हैं कि वह जिस भी देश में घूमने गए, वहां उन्हें एक ना एक भारतीय रेस्तरां मिल जाता था लेकिन मैं ये जानकर हैरान रह गया कि यहां पर एक भी भारतीय रेस्तरां नहीं था। साथ ही यहां के लोगों की सादगी और समृद्ध संस्कृति से प्रभावित होकर उन्होंने उज्बेकिस्तान में ही रहने का फैसला किया। नौशाद बताते हैं कि उनके रेस्तरां में रोजाना 350-450 पर्यटक आते हैं और साथ ही उन्हें शादी और कैटरिंग के भी ऑर्डर मिलते हैं। समरकंद में करीब 3000 भारतीय छात्र रहते हैं जो अक्सर उनके रेस्तरां आते हैं।

नौशाद बताते हैं कि भारतीयों के साथ ही स्थानीय उज्बेकी लोग भी उनके रेस्तरां के खाने को खूब पसंद करते हैं। द इंडियन किचन के शेफ चेन्नई के रहने वाले अशोक कालीदास हैं। अशोक बताते हैं कि वह स्थानीय लोगों से खाने के स्वाद को लेकर सुझाव लेते रहते हैं ताकि ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों को उनके रेस्तरां का खाना पसंद आए। उज्बेकिस्तान में मौजूदा भारतीय दूतावास का कहना है कि उज्बेकिस्तान में 5000 से ज्यादा भारतीय रहते हैं और साथ ही इस साल अब तक 30 हजार भारतीय उज्बेकिस्तान घूमने आ चुके हैं। नौशाद बताते हैं कि अब वह अपने रेस्तरां की चेन उज्बेकिस्तान के अन्य शहरों में भी खोलने की योजना बना रहे हैं।

जीई एयरोस्पेस का एचएएल के साथ समझौता, हल्के लड़ाकू विमान के लिए बनाए जाएंगे जेट इंजन

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023। भारत में रक्षा क्षेत्र को मजबूती देने के लिए हल्के लड़ाकू विमान(एलसीए) मार्क2 और पहले दो स्वदेशी उन्नत मध्यम दर्जे के लड़ाकू विमान (एएमसीए) का इंजन का उत्पादन अब देश में ही होगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के प्रमुख डॉ, समीर वी कामत ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस और हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड मिलकर इनके इंजन का निर्माण करेंगे। अमेरिका से इसकी सभी मंजूरी मिल गई है।

अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ मिलकर भारतीय वायु सेना के लड़ाकू जेट विमानों के लिए इंजन बनाने के समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कैबिनेट की सुरक्षा समिति (सीसीएस) ने इस साल 30 अगस्त को एलसीए मार्क-2 लड़ाकू विमान के निर्माण की मंजूरी दी थी। यह विमान चरणबद्ध तरीके से मिराज 2000, जगुआर और मिग-29 लड़ाकू विमान का स्थान लेगा। एलसीए मार्क2 का निर्माण 2027 तक कर लिया जाएगा।

भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान विनिर्माण में जीई की भागीदारी अमेरिकी कंपनी जीई ने 1986 में एफ404 इंजन के साथ भारत के हल्के लड़ाकू विमान के विकास के लिए हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ काम करना शुरू किया।

गाजा के अल शिफा अस्पताल में बढ़ा खतरा, डब्लूएचओ का दावा-सामूहिक कब्रें खुदी हुई हैं

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि गाजा पट्टी में खासकर अल शिफा अस्पताल में मानवीय संकट गहराया हुआ है। डब्लूएचओ के अधिकारियों का कहना है कि वह अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। डब्लूएचओ के अधिकारी फिलहाल इस्राइली सेना के साथ समन्वय करके मरीजों और स्टाफ को निकालने के लिए सुरक्षित रास्ता बनाने के लिए बातचीत कर रहे हैं।

मरीजों को दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की तैयारी

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक बयान में कहा कि उसकी टीमें जो अल शिफा अस्पताल में तैनात हैं, उन्होंने अस्पताल के गेट पर सामूहिक कब्रें देखी हैं और 80 से ज्यादा लोगों को यहां दफनाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम अल शिफा अस्पताल से 25 स्टाफ कर्मचारियों, 291 मरीजों जिनमें गंभीर रूप से बीमार 32 बच्चे भी शामिल हैं, उन्हें किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की तैयारी कर रही है। इन मरीजों को अगले 24 से 72 घंटे में निकाल लिया जाएगा। इसके लिए डब्लूएचओ, ओसीएचए, यूएनडीएसएस, यूएनआरडब्लूए की संयुक्त टीम इस काम में जुटी है। इस्राइली सेना ने उत्तरी गाजा में अपने जमीनी हमले को तेज कर दिया है।

दक्षिणी गाजा में ऑपरेशन चलाएगी इस्राइली सेना

इस्राइली सेना ने उत्तरी गाजा में अपने जमीनी हमले को तेज कर दिया है। इस्राइली सेना ने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में लोगों को घर खाली करने को कहा है। दरअसल इस्राइली सेना अब जल्द ही दक्षिण की तरफ कार्रवाई शुरू कर सकती है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को इस्राइल के हमले में एक रिहायशी इमारत तबाह हो गयी, जिसमें 26 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। हालांकि इस्राइल ने घटना की पुष्टि नहीं की है।

बता दें कि इस्राइल हमास युद्ध में अब तक 14 हजार लोगों की जान जा चुकी है। इनमें से 12300 लोगों की मौत गाजा पट्टी में हुई है और इस्राइल में 1400 लोगों की जान गई है। ऐसी खबरें आ रही हैं कि इस्राइल और अमेरिका मिलकर हमास के साथ बंधकों की रिहाई के लिए समझौता कर रहा है। हालांकि इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने इससे इनकार किया है और कहा है कि अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है।

पाक के हालात और भी नाजुक, अब छह अस्पताल बंद होने के कगार पर, कर्मचारियों का वेतन रुका

इस्लामाबाद, 19 नवम्बर 2023। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद के सभी पांच सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पताल और लाहौर के शेख जायद अस्पताल ठप होने के कगार पर पहुंच गए हैं। यहां इन अस्पतालों के सुचारू संचालन के लिए 11 अरब पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) देने के वित्त प्रभाग के अनुरोध को संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। इस कारण कई कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) की नर्सें एक सप्ताह से अधिक समय से वेतन रुकने के विरोध में प्रदर्शन कर रही हैं। इन अस्पतालों की लैब भी जल्द ही पूरी तरह ठप हो जाएंगी क्योंकि टेस्टिंग किट का स्टॉक तक खत्म हो रहा है। फिल्म न होने के चलते रेडियोलॉजी परीक्षणों को भी अस्वीकार किया जा रहा है।

हालात, यहां तक हैं कि मरीजों को दवाएं तक देने से इन्कार किया जा रहा है, क्योंकि कंपनियों को निविदा राशि का भुगतान नहीं किया गया है। लाहौर का शेख जायद अस्पताल बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि यह संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वित्त पोषण से चलता है। आशंका है कि आगामी दिनों में पाक की खराब होती अर्थव्यवस्था के चलते आपातकालीन विभाग भी बंद हो सकते हैं।

अल्पकालिक मुद्रास्फीति 42% तक पहुंची

आधिकारिक आंकड़ों के हवाले से डॉन अखबार ने पाकिस्तान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था की एक और पोल खोली है। देश में वार्षिक अल्पकालिक मुद्रास्फीति 4 माह में पहली बार 40% से ऊपर हो गई है। पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने कहा, 16 नवंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रास्फीति की दर 41.9% रही, जिसका मुख्य कारण एक वर्ष पूर्व की तुलना में गैस शुल्क में 1,100त्न से अधिक की वृद्धि है। मूल्य वृद्धि वाली अन्य वस्तुओं में सिगरेट (94.5%), गेहूं का आटा (86.4%), मिर्च पाउडर (81.7%), टूटे हुए बासमती चावल (76.7%), लहसुन (63.6%) बढ़ गए हैं।

कैलिफोर्निया में भी छठ महापर्व में दिखा उत्साह

भगवान भास्कर को अर्घ्य देने उमड़े सैकड़ों श्रद्धालु

कैलिफोर्निया,19 नवम्बर 2023। लोक आस्था का महापर्व छठ भारत के कई हिस्सों में धूमधाम से मनाया जाता है। चार दिनों के महापर्व पर श्रद्धालुओं के बीच आस्था का उत्साह और पवित्रता की पराकाष्ठा देखी जाती है। भारत के अलावा अब अमेरिका में भी सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी छठ पूजा मनाते हैं। कैलिफोर्निया की सिलिकॉन वैली में पीढ़ियों से चली आ रही अपनी पारिवारिक परंपरा को जीवित रखते हुए श्रद्धालुओं ने महापर्व के तीसरे दिन अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया।

विज्ञान और तकनीक से घिरे रहने के बावजूद सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी श्रद्धालु अपने दोस्तों और परिवारों के साथ आस्था का महापर्व मना रहे हैं। छठ पूजा के हिस्से के रूप में सूर्य देव की पूजा-उपासना करने के लिए सैकड़ों श्रद्धालु अमेरिकी शहर फ्रेमोंट में एक झील के किनारे एकत्र हुए। बता दें कि चार दिवसीय छठ पूजा 17 नवंबर को शुरू हुई। त्योहार के दौरान, भक्त 36 घंटे से अधिक समय का निर्जला उपवास रखते हैं। भगवान भास्कर यानी सूर्य देव की प्रार्थना के लिए नदियों और तालाबों के किनारे इकट्ठा होने वाले श्रद्धालु

जलाशयों में खड़े होकर भगवान को अर्घ्य देते हैं।

कैलिफोर्निया के फ्रेमोंट में रहने वाले सैकड़ों भारतीय-अमेरिकी श्रद्धालुओं में एक राकेश सिंह ने बताया, हम यहां छठ पूजा मना रहे हैं। हमने इसे 2011 में शुरू किया था और उस समय केवल कुछ लोगों ने ही इसमें भाग लिया था। बाद में, धीरे-धीरे लोग इसमें शामिल होने लगे और 2014 के बाद, यह वास्तव में बढ़ने लगा। लगभग 1,200 लोग पिछले साल छठ महापर्व पर शामिल हुए थे।

इस साल, फ्रेमोंट में आयोजकों ने छठ पूजा समारोह के लिए झील के किनारे प्रवेश के लिए मुफ्त टिकट की पेशकश की। आयोजकों के अनुसार, सिस्टम खुलने के कुछ ही घंटों के भीतर ही सभी मुफ्त टिकट बिक गए। बड़ी संख्या में लोग प्रतीक्षा सूची में रहे।

एक अन्य स्थानीय निवासी सुनील ने बताया, हमने सोचा कि हमारे बच्चों को कैसे पता चलेगा कि छठ वास्तव में कैसे मनाया जाता है? घर पर (भारत में) उत्सव मनाना बिल्कुल सामान्य है। मैं अपनी पत्नी और बेटी को झील के किनारे ले गया क्योंकि मैं पास में ही रहता हूं। मैंने अपने दोस्तों, अजय और राकेश को बुलाया। उन्हें बताया कि वे भी छठ मना रहे हैं। जानकारी मिलने पर राकेश भी साथ जुड़ गए।

बता दें कि छठ पूजा बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है। मान्यताओं के अनुसार, भगवान भास्कर से जुड़ी आस्था के कारण लोग छठ व्रत करते हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि पृथ्वी पर जीवन कायम रहने का बड़ा आधार सूर्य ही हैं। छठ पूजा लंबे, स्वस्थ, समृद्ध जीवन जीने के लिए सूर्य देव से आशीर्वाद लेने के लिए भी की जाती है।

CMYK

20 NOVEMBER 2023 AMBIKAPUR_Layout 2 11/19/2023 11:27 PM Page 5

सुनिह अरज छठी मईया...बढे कुल परिवार...लिही न अरगिया हे मईया...दिही आशीष हज़ार...

संतान के सुख-सौभाग्य,समृद्धी और सुखी जीवन की कामना के लिए किया गया छठ व्रत

रविवार को संध्या में डुबते सूर्य को दिया गया अर्घ्य

छठ पर्व को लेकर क्षेत्र में दिखा काफी उत्साह,छठ गीतों से गूँजमान रहा क्षेत्र

श्रद्धालु के सिर पर सजा पूजा की सुप

सूर्य साधक के परिवार का प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छ परिधान में नंगे पैर सिर पर पूजा की टोकरी लिये हुए घर से छठ घाट तक पैदल पहुंचे।

पुराणों में मिलता छठ व्रत कैसे शुरू हुई परंपरा की कथा

छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है, यह परंपरा कैसे शुरू इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है, इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी, संतान प्राप्ति के लिए महर्शि कश्यप ने उन्हें पुत्रयेष्टि यज्ञ करने का परामर्ष दिया, यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, किन्तु व शिशु मृत था इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया। तभी एक आष्चर्य जनक घटना घटी, आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा, 'मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं' इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्ष किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा, इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी।

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर/पटना 19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

छठी मैया देहलू आशीशीया चहके अंगना दुवार, अचरा में भर लूं सनेहिया टहके सेनुरा हमार.... बेदिया बनत दूब छिलके धरती या, त घर घर होत छठ माई के बरतिया, सुपली मओनिया मे जरे दिया बतिया त घरे घरे होता छठी माई के बरतिया, ठेकुआ छनत रमजाला जाऊरवा हो, सेहुआ शरीफवा से सजल दौउरवा हो, कन्हैया पर उखिया लचके पियरी मउरवा हो, सेहुआ शरीफवा से सजल दउरवा हो....। भइल भिनूसर अइल अरघ के वक्तीया, उगा हो सूरूजमल लेके अपन रथिया, उगा हो सूरुजमल लेके अपन रथिया, लेइ के अरघ सफल कै दा बरतिया, ता उगा हो आदित्य देव लेके अपन रथिया, ता उगा हो आदित्य देव लेके अपन रथिया---। छठ पर्व के सुमधुर महिलाएं समूह में लोक गीत गाते हुए घर से निकली और तालाब तक गीत गाते हुये पहुंची, यह दृश्य काफी आकर्षक का केंद्र रहता है और काफी सुरीली आवाज में गाया गया गीत लोगों को पसंद आता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी पर सूर्योपासना के लिए मनाया जाना वाला चार दिवसीय महापर्व नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ शनिवार को उपासकों द्वारा छठ घाट बांधा गया। रविवार की शाम पटना के श्रद्धालू झूमर व बुढा सागर तालाब में, कटकोना में एसईसीएल तालाब, गोबरी जलाशय में व्रतधारियों ने अस्तचलगमी सूर्य को पानी में खड़े होकर प्रथम अर्ध्य अर्पित किया। व्रतधारी महिला व पुरूष डूबते हुए सूर्य को फल और कंद मूल से भी अर्ध्य अर्पित किया। इस छठ महापर्व के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। चारो-ओर छठ गीत की गूंज रही। छठ महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धालु दिन भर बिना जल ग्रहण किए उपवास रहने के बाद सर पर फलों से सजी दौरी व सुप लेकर सूर्य देव को अर्ध्य देने तालाब घाट पहुंचे जहां महिलाएं पानी में खड़े होकर फलों से सजी सुप अस्तचलगमित सूर्य को अर्ध्य अर्पित किया और अपने घर परिवार सुख, समृद्धि की कामना की।

पूरे भारत में मनाया जाने लगा है छठ पर्व

महापर्व छठ लोक आस्था का प्रतीक है इस महापर्व का तीसरे दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है दीवाली के तुरंत बाद ही बिहार, झारखण्ड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में छठ की तैयारियां तो रहती है पर यह महापर्व छठ लोक आस्था का प्रतीक है इस महापर्व को जहां कुछ राज्यों में मनाया जाता था पर अब धीरे-धीरे यह पर्व पूरे भारतवर्ष के हर राज्यों में मनाया जाने लगा है यह एक ऐसा पर्व है जिसमें प्राकृतिक की पूजा होती है यह पर्व प्राकृतिक से जुड़ा हुआ है और जैसे-जैसे इस पर्व की जानकारी लोगों को मिल रही है वैसे वैसे इस पर्व के आस्था से लोग जुड़ रहे हैं यही वजह है कि बहुत तेजी से यह पर्व हर तरफ होने लगा है और लोगों की आस्था इस पर्व के प्रति बढ़ी है यहां तक कि इस पर्व को करने के लिए लोगों के अंदर लालसा भी खूब जागी है और इतने कठिन पर्व को भी करने के लिए लोग अब हर्ष उत्साहित हैं, ये 4 दिवसीय त्योहार में भगवान सूर्य देवता की पूजा की जाती है, छठ का त्योहार साल में 2 बार मनाया जाता है, जिसमें पहला चैत्र शुक्ल षष्ठी और दूसरा कार्तिक माह की शुक्ल षष्ठी के दिन मनाया जाता है, 4 दिन के इस त्योहार में, 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है, संतान के सुख-सौभाग्य, समृद्धी और सुखी जीवन की कामना के लिए छठ की पूजा की जाती है, इस पर्व की शुरुआत नहाय खाय के साथ होती है, इसके बाद खरना, अर्घ्य और पारण किया जाता है, खरना के दिन चावल और गुड़ की खीर बनाई जाती है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

इस बार छठ घाट में श्रद्धालुओं की भीड को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इन्तजाम किया गया है। घाट पर श्रद्धालुओं को रात में रहने के लिए पंडाल व लाईटिंग कि व्यवस्था भी की गई। ताकि श्रद्धालुओ को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो अर्ध्य के इस पर्व को लोग बड़ी धुम धाम से मना रहे हैं। उल्लास में पर्व के तीसरे दिन स्थानीय तालाब के छठ घाट के आसपास जम के पटाखे फोड़कर लोगो ने हर्ष प्रदर्शित किया।

छठ पर्व पर फल का अलग महत्व

छठ महापर्व पर कई तरह के फल चढ़ाए जाते हैं जैसे केला, सेव, संतरा, मुसंबी, सिंघाड़ा, अनानस, बैर, सुथनी, लालकंदा, जैसे कई कंद मूल से सूर्य देव की पूजा की जाती है यह सभी फल व्यापारी छत्तीसगढ़ के बाहर से दो दिनों पूर्व ही मंगा लेते है ताकि श्रद्धालुओं को समय पर उपलब्ध करा सकें। इस बार भी फल की सुप सजाने के लिए फल की खरीदारी में पूरे दिन जुटे रहे।

यह है परंपरा

छठ पूजा में भगवान सूर्य की सातों समय की पूजा नदी, नाला तालाब के किनारे ही करने का विधान है इस पूजा की शुरूआत दीपावली के चौथे दिन हो गई थी, महिलाएं एवं पुरुष इस व्रत मे 36 घंटे का निर्जला व्रत रखते हैं। तीनों दिनों के दौरान व्रतधारियों द्वारा केवल चावल एवं लौकी की सब्जी का सेवन किया गया। दिवाली के छठवे दिन बुधवार को घाट में विधि-विधान के साथ पूजन किया गया। ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्वामित्र ने इसी दिन गंगा नदी के घाट पर दूसरी सृश्टी के निर्माण के लिए माता गायत्री की आराधना की थी।

चुनाव संपन्न करने जाने से लेकर चुनाव संपन्न करा कर आने तक कर्मचारियों की हुई दुर्दशा...जिम्मेदारों ने नहीं निभाई सही तरीके से जिम्मेदारी

अव्यवस्थाओं के बीच भी कर्मचारियों ने अपना निभाया दायित्व... मिली जिम्मेदारियों को किया पूरा...चुनाव हुआ संपन्न लोकतंत्र के भागीदारी में इन्होंने दिखाई अपनी कड़ी मेहनत

कठिन परिस्थितियों में भी मतदान दल में शामिल कर्मचारियों ने चुनाव संपन्न कर लोकतंत्र को मजबूत करने में निभाई भागीदारी

चुनाव संपन्न कराकर भले ही जिला निर्वाचन अधिकारी अपनी पीठ थपथपा रहे हैं पर परेशानी तो कर्मचारियों को झेलनी पड़ी

कुछ पुरुष कर्मचारी जहां अपनी पहुंच से ड्यूटी कटवाकर घर में रहे वहीं महिला कर्मचारियों ने उनकी जगह सम्हाला मोर्चा निभाई जिम्मेदारी

प्रशिक्षण से लेकर चुनाव संपन्न होने तक कर्मचारियों के सामने रही असमंजस की स्थिति

प्रशिक्षण से लेकर चुनाव संपन्न होने तक यह देखने सुनने को मिला की कर्मचारी पूरे समय असमंजस में रहे,कब जाना है दल में कौन है और कहां से उनका संपर्क होगा यह अंतिम दिन स्पष्ट हुआ,कर्मचारियों की माने तो पहले ऐसा नहीं होता था,सब कुछ स्पष्ट हो जाता था प्रशिक्षण के दौरान ही केवल मतदान कराने कहां जाना है यह गोपनीय हुआ करता था जो अंतिम दिन पता चला करता था,कुल मिलाकर प्रशिक्षण सहित चुनाव संपन्न होने तक कर्मचारियों के समाने स्पष्ट स्थिति नहीं देखी गई।

पहले रवाना होने वाले दल और पहले वापस आने वाले दल का हुआ सम्मान,जो दूरस्थ क्षेत्र के दल थे वह सम्मान के भी नहीं थे जिम्मेदारों की नजर में हकदार

चुनाव के दौरान यह देखा गया की जो दल पहले रवाना हुआ और जो पहले वापस आया उसका सम्मान बकायदा फूल बुके सहित मीठा खिलाकर किया गया वहीं जो दल बाद में रवाना हुए और सुबह तक दूरस्थ क्षेत्र होने के कारण लौट सके उनके सम्मान के लिए कोई उपस्थित नहीं था न ही उनकी किसी ने सुध ही ली,उन्होंने समान जमा किया और फिर वह घरों के लिए रवाना हुए।

-रवि सिंह-
एमसीबी,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा निर्वाचन 2023 को लेकर यदि किसी जिले में चुनाव संपन्न करने में कर्मचारियों को समस्या हुई है तो वह है एमसीबी जिला जहां के दोनों विधानसभा के चुनाव में शामिल मतदान दल को सिर्फ परेशानियों का सामना करना पड़ा, परेशानियों के बीच भी मतदान दल में शामिल कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न कराया पर इसका श्रेय कर्मचारियों को मिलने के बजाय अधिकारी ही लेते दिखे, निर्वाचन अधिकारी से लेकर उनके नीचे के अधिकारी सभी ने चुनाव संपन्न करने का श्रेय खुद लिया पर चुनाव संपन्न कराने में परेशानियों के बीच भी काम करने वाले कर्मचारी की मेहनत को दरकिनार किया गया। प्रशासनिक अधिकारी जनसंपर्क के माध्यम से अपना श्रेय बटोरने में लग रहे, वही कर्मचारीयों को घर से केंद्र और सेंटर से बूथ पहुंचने तक सिर्फ परेशानियों का सामना करना पड़ा अपना पैसा खर्च कर केंद्र तक पहुंचे अपना पैसा खर्च कर अपना पेट भरा और सारी समस्याओं के बावजूद उन्होंने पूरे समय मतदान कराने में अपनी सहभागिता निभाई। वैसे इस बार चुनाव आयोग ने अपनी तैयारियों को लेकर कई घोषणाएं की थीं वहीं जिला निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों के भी बड़े बड़े दावे थे लेकिन जो कुछ देखा सुना गया चुनाव कार्य में संलग्न कर्मचारियों की स्थिति को लेकर वह अलग ही कहानी बयां कर गया और अव्यवस्था की पोल खोल गया।

मनेंद्रगढ़ से बैकुंठपुर आने के लिए परेशान दिखे मतदान दल के कर्मचारी

जो मतदान दल में संलग्न कर्मचारी दूरस्थ क्षेत्रों में गए थे उनकी स्थिति सबसे ज्यादा खराब रही,सुबह तक वह पहुंच सके सामग्री जमा करने वहीं जब वह पहुंचे और सामग्री जमा कर लिया तो उन्हे बैकुंठपुर आने के लिए वाहन के लिए इंतजार करना पड़ा,सूत्रों की माने तो सभी ने किराए की गाड़ी की और घर वापस लौटे,मतदान दलों के लिए यह सबसे बड़ी मुसीबत साबित हुई क्योंकि उन्हे सवारी गाड़ियां मिल नहीं रही थीं वहीं उन्हे ज्यादा पैसे देकर घर वापसी करना पड़ा जो दुखद पहलू रहा इस चुनाव का।

महिला कर्मचारियों की लगी ड्यूटी,कुछ पुरुष कर्मचारी अपनी ड्यूटी जुगाड से कटवा पाने में रहे सफल

चुनाव के दौरान पहली बार जिले में यह देखा गया की महिला कर्मचारियों की ड्यूटी पुरुष कर्मचारियों के साथ लगाई गई,महिला कर्मचारियों ने जिम्मेदारी का बेहतर निर्वहन भी किया लेकिन वहीं कुछ पुरुष कर्मचारी जुगाड से अपनी ड्यूटी कटवाने में सफल रहे जो कहीं न कहीं अव्यवस्था कही जा सकती है क्योंकि जिनकी ड्यूटी काटी गई वह उम्र में ज्यादा उम्र के नहीं थे जबकि कई ऐसे कर्मचारियों ने ड्यूटी किया जो उम्र दराज थे और कहीं न कहीं उनका यह अंतिम चुनाव कार्य भी था बाद के चुनाव के पहले वह सेवानिवृत हो जाएंगे।

दो दिन पूर्व भेजी गई 34 मतदान दल कर्मचारियों की टीम को ज्यादा होना पड़ा परेशान

दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के दूरस्थ क्षेत्रों के 34 पोलिंग बूथ के लिए दो दिन पूर्व मतदान दलों को रवाना किया गया था,34 दल के कर्मचारियों को सुबह 7 बजे एमसीबी जिले में बुलाया गया और सामग्री उन्हे 11 बजे तक प्रदान की गई,सामग्री लेकर वह रवाना हुए जिसमे ईवीएम नहीं था और वह उन्हे कोटाडोल से मिलना था,किसी तरह देर शाम वह कोटाडोल पहुंचे तो उन्हे बताया गया उनका ठहराव कोटाडोल के स्कूल में एक साथ होगा,लगभग 200 लोगों को एकसाथ एक स्कूल में रखा गया,मतदान दलों को सबसे ज्यादा असुविधा नित्यक्रिया निपटाने में हुई वहीं वहां उन्हे जो भोजन दिया गया उसे लेकर कर्मचारियों की माने तो वह जानवरों के खाने योग्य भी नहीं था, बोरे से चावल जो की किसी शासकीय उचित मूल्य दुकान का चावल था सीधे पका दिया गया जिसमे कीड़े साफ नजर आ रहे थे जिसे कर्मचारियों ने कीड़ा फाई चावल की संज्ञा दी,वहीं सब्जी में सोयाबड़ी और आलू की उबली सब्जी के साथ मसूर की दाल परोसी गई,सुबह नाश्ते में भी उन्हे जो पोहा दिया गया वह भी खाने योग्य नहीं था जैसा बताया जा रहा है। चावल जला भी दिया गया था और कच्चा भी था,कुल मिलाकर कर्मचारियों ने भूख मिटाने के लिए जानवरों के लिए भी जो उचित नहीं था वह भोजन किया।

एक दिन पूर्व रवाना मतदान दलों को भी मतदान केंद्र पहुंचने में लगा शाम तक का वक्त,किसी तरह वह चुनाव कार्य संपन्न कराने कर सके तैयारी

एक दिन पूर्व जिन मतदान दलों को भेजा गया उनकी भी परेशानी कम नहीं थी,उन्हे भी सामग्री देने में विलंब किया गया और उनका मतदान केंद्र भी दूरस्थ वनांचल क्षेत्र था उन्हे भी केंद्र तक पहुंचने में देर शाम हो गई और वह किसी तरह मतदान कराने खुद को तैयार कर पाए,दिनभर के सफर के बाद थके कर्मचारी जो भोरे से ही उठे हुए थे उन्हे देर शाम पहुंचने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ा।

CMYK

20 NOVEMBER 2023 AMBIKAPUR_Layout 2 11/19/2023 11:27 PM Page 6

भाजपा में जयचंदों के साथ जनाधार विहीन नेताओं की भरमार,चुनाव में दिखा असर

प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के लिए उनके समर्थको ने लगाई ताकत,फेल हुआ जिला भाजपा संगठन

आमसभा के अलावा कहीं नजर नही आए भाजपा के जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल...जनाधार की है भारी कमी

संभावित जीत के मद्देनजर भैयालाल से चिपकने लगे स्वार्थी तत्व

जैसी क्षेत्र में जनचर्चा है और नेताओ के द्वारा कहा जा रहा है कि इस चुनाव में भाजपा उम्मीदवार भैयालाल राजवाड़े का पलड़ा भारी था और अंततःजीत उनकी सुनिश्चित है। यह बात सार्वजनिक होते ही अब देखने में आ रहा है कि पिछले कार्यकाल की तरही ही स्वार्थी तत्व उनसे चिपकने लगे हैं,खुद को सबसे खास बतलाने की कोशिश अभी से किया जा रहा है।

पन्ना प्रभारी से लेकर शक्ति केन्द्र और बूथ प्रभारी भी नही रहा कारगार

भाजपा ने काफी पहले से प्रदेश स्तर पर चुनाव की तैयारी शुरू की थी, संगठन मे बदलाव के साथ साथ बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को तैयार किया गया था,बड़ी बड़ी सूची बनाई गई थी,पन्ना प्रभारी से लेकर शक्ति केन्द्र प्रभारी और बूथ प्रभारियों का चयन किया गया था लेकिन कुछ जगहो को छोड़कर यह सूची कारगार साबित नही हुई। बतलाया जाता है कि सूची बनाते वक्त सिर्फ कोरम पूरा कर प्रदेश नेतृत्व की आंखो मे धूल झोंका गया था जिसका खामियाजा चुनाव के दौरान भाजपा उम्मीदवार को भुगतना पड़ा है। भाजपा के तमाम मोर्चा,प्रकोष्ट के पदाधिकारी भी सिर्फ कागजो मे नजर आए।

चुनिंदा नेताओं ने भैयालाल को अपने भंवरजाल में फंसाया

पार्टी कार्यालय आने जाने वाले एक भाजपा कार्यकर्ता ने इस चुनाव के बाद अपनी व्यथा घटती घटना को बतलाया है,और कहा कि कार्यालय में कार्यकर्ताओ से भेदभाव किया जाता है। कुछ नेताओं के समथकों को टारगेट किया जाता है,उनके सामने पार्टी की बातो को भी छुपाया जाता है। बड़े नेताओं के आने जाने से लेकर बैठको आदि की सूचना भी नही दी जाती है। कार्यकर्ता ने जिलाध्यक्ष पर ठीकरा फोड़ते हुए कहा कि जिलाध्यक्ष अपने पुत्र के साथ मिलकर पार्टी को प्रायवेट लिमिटेड कंपनी की तरह संचालित कर रहे हैं जिससे कि कार्यकर्ताओ का मनोबल गिर चुका है। कार्यकर्ता का कहना था कि बात सिर्फ भैयालाल राजवाड़े की थी इस वजह से हमने चुनाव में काम किया है वरना इस जिलाध्यक्ष के कार्यकाल में झंडा उठाना सही नही है। कार्यकर्ता की माने तो जिलाध्यक्ष के साथ कुछ चुनिंदा नेताओ ने भैयालाल राजवाड़े को अपने भंवरजाल में फसा लिया था इस वजह से कई कार्यकर्ता रूष्ट थे। जिलाध्यक्ष ने एक भी बूथ की जिम्मेदारी नही ली थी सिर्फ हवा हवाई बात और दावा करने में उन्हे व्यस्त देखा गया।

अकेले मेहनत करते दिखे भैयालाल राजवाड़े,शैलेश शिवहरे ने साथ आकर दी मजबूती,लेकिन शिवहरे का साथ आना संगठन प्रमुख को खटका

इस चुनाव में देखने को मिला कि टिकट मिलने के कई दिनो तक प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े अकेले मेहनत करते रहे,नामांकन के पहले ही उन्होने दावेदार और एक जनाधार वाले नेता के रूप में पहचान रखने वाले शैलेश शिवहरे के साथ सामंजस्य बनाकर दूरियां कम की और अपने पक्ष में काम करने के लिए तैयार किया था। देखने में मिला कि शैलेश शिवहरे ने साथ आकर पूरे ईमानदारी के साथ उनका काम किया,हर क्षेत्र में चुनावी सभा में शामिल हुए,पूरी दमदारी के साथ भैयालाल राजवाड़े का पक्ष रखा तथा कांग्रेस एवं प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव पर जमकर हमला बोला। शैलेश शिवहरे के साथ आने से बैकुंठपुर शहर में भी भैयालाल राजवाड़े मजबूत बतलाये जाते हैं। वहीं सूत्रो का कहना है कि जिलाध्यक्ष खुद नही चाहते थे कि भैयालाल राजवाड़े के लिए शैलेश शिवहरे काम करें,इसलिए दूरी बनाकर रखा गया था,टिकट मिलने के बाद भी जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाते हुए एकता पर बल नही दिया तो वहीं भैयालाल राजवाड़े और शैलेश शिवहरे का एक होना भी जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल को खटक रहा था जैसा सूत्रो का कहना है।

मैनेजमेंट का दिखा अभाव,भैयालाल जीत रहे इस अतिउत्साह में भी दिखे भाजपाई

इस चुनाव में भाजपा में मैनेजमेंट का काफी अभाव देखा गया,जिसकी मर्जी जहां वहां काम करे इस तर्ज पर कार्यकर्ता काम करते देखे गए,कुछ ऐसे नेता आम सभा मे कुर्सी लगाकर मंच पर बैठे दिखे जो कि एक वोट की हैसियत नही रखते और पिछले कई चुनावो में उन्होने भैयालाल राजवाड़े के खिलाफ काम किया था। मैनेजमेंट यदि अच्छा रहता तो स्थिति और बेहतर होती ऐसा भाजपा कार्यकर्ताओ का ही कहना है शुरू से एक लहर चल रही थी कि भैयालाल राजवाड़े चुनाव जीत जाएंगे इस अति उत्साह में भी भाजपा कार्यकर्ता और पदाधिकारी अंत समय तक नजर आए।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

विधानसभा चुनाव हेतु मतदान पिछले 17 तारीख को समाप्त हुआ,बैकुंठपुर विधानसभा में लगभग 82 प्रतिशत मतदान हुआ है जो कि भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के पक्ष में माना जा रहा है जैसी जनचर्चा भी है। कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव ने अपने कार्यकाल में अपने निज सहायक के दिशा निर्देशन में जिस प्रकार का व्यवहार आमजन के साथ पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ किया था उसका प्रभाव इस चुनाव में देखने को मिल सकता है । आधे से अधिक मतदान केन्द्रो में उनकी स्थिति काफी चिंताजनक होगी ये उम्मीद की जा रही है। तो वहीं इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े को भी काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है,पुत्र विजय राजवाड़े का ना होना भी इस चुनाव में उन्होने महसूस किया है तो पार्टी के जनाधार विहीन नेताओ से लेकर जयचंदो ने उन्हे घेर रखा था ऐसे नेताओं की पार्टी में काफी अधिकता है इसका असर भी देखने को मिला है। खुद भाजपा जिलाध्यक्ष ने वैसी सक्रियता नही दिखलाई जैसी दिखलानी थी,हलांकि उन्होने खुद को काफी व्यस्त बतलाने की कोशिश की। चुनाव में भैयालाल राजवाड़े समर्थक कार्यकर्ता ही जी जान से जुटे थे संगठन की कमी यहां देखने को मिली,संगठन की एकजुटता जिलाध्यक्ष के मैं,मैं,मैं की बयानबाजी के कारण तार - तार हुई है, यह भी देखने को मिला। जिलाध्यक्ष को सिर्फ कहीं कहीं आमसभा में देखा गया बाकी जिम्मेदारी का निर्वहन उन्होने कार्यालय में बैठकर पूरा किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इस चुनाव में भाजपा की राजनीति के चाणक्य तीरथ गुप्ता की कमी भी महसूस की,पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहर गुप्ता ने भी अपने कार्यकाल के चुनाव में काफी मेहनत किया था,जो कि कार्यकर्ताओं की जुबान पर था। चुनाव संपन्न होने के बाद कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी का मानना है कि ऐसे जिलाध्यक्ष को तत्काल हटाया जाना पार्टी के लिए लाभकारी होगा।

टिकट के लिए जिलाध्यक्ष ने लिया था श्रेय...क्या जीत पर भी लेंगे श्रेय...जबकि संगठन कहीं नही आया नजर

भाजपा से भैयालाल राजवाड़े को टिकट मिलने के बाद कई बार देखने को मिला कि इसका सारा श्रेय लेने की कोशिश जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने लिया था,जबकि भैयालाल राजवाड़े को टिकट मिलने का एक बहुत बड़ा आधार सामाजिक वोट के साथ एक जिताऊ कंडीटेड था। लेकिन जिस प्रकार जिलाध्यक्ष ने श्रेय लिया उससे ऐसा प्रतीत होता है कि भैयालाल राजवाड़े की जीत के बाद भी उसका सारा श्रेय जिलाध्यक्ष खुद लेना चाहेंगे। जबकि इस चुनाव में संगठन बूरी तरह फेल था,जिलाध्यक्ष कुछ जगह को छोड़कर कहीं नजर नही आए उन्होने लोगो को एक करने पर भी बल नही दिया,सारा ध्यान पार्टी से मिले फंड और खुद को जबरन व्यस्त बताने में लगा दिया गया था। यह कहा जा सकता है यदि भैयालाल राजवाड़े की जीत होती है तो इसमें सिर्फ कार्यर्ताओं का योगदान होगा,भैयालाल राजवाड़े के लिए काम करने वाले समर्थको का होगा,जिलाध्यक्ष यदि श्रेय लेते हैं तो यह काफी हास्यप्रद होगा।

चुनिंदा कार्यकर्ता बने बड़े नेताओं के गले की फांस,जमीनी कार्यकर्ता का गिरता है मनोबल

भाजपा में इन दिनो बड़बोले कार्यकर्ताओं की फौज सी आ गई है जो काम कम करते हैं और गलत बयान बाजी से लेकर सोशल मीडिया में जबरन की सक्रियता दिखलाकर पार्टी की किरकिरी कराते फिरते हैं,ऐसे बड़बोले कार्यकर्ता सार्वजनिक स्थलो मे बड़े नेताओं से लेकर पार्टी के खिलाफ भी बयानबाजी करते हैं जिससे कि पार्टी का तो नुकसान हो ही रहा है उससे ज्यादा ऐसे कार्यकर्ता बड़े नेताओं के मुंह लगकर उनके गले की फांस बने हुए हैं। नेताओं को भी खुद की छवि बनाने के लिए ऐसे समर्थको एवं कार्यकर्ताओं से दूरी बनाकर रखने की जरूरत है।

कांग्रेस के साथ भीतरघात भाजपा को मिलाता दिखा फायदा

चुनाव बाद यदि हालात पर गौर किया जाए तो देखने में मिलता है कि इस बार कांग्रेस प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव के व्यक्तिगत व्यवहार के कारण काफी रोष था,उनके खिलाफ जमकर भीतरघात भी हुआ है कई नेता व समर्थको ने तो खुला विरोध किया है। भैयालाल राजवाड़े के कट्टर विरोधियो ने भी इस बार उनका साथ दिया है,यह चर्चा का विषय है। अंबिका सिंहदेव के साथ भीतरघात का फायदा भैयालाल राजवाड़े को मिलता हुआ नजर आ रहा है।

पार्टी कार्यालय के ठीक सामने जबरन बनाया गया चुनाव कार्यालय

विधानसभा चुनाव के कुछ दिन पहले ही भाजपा जिलाध्यक्ष ने कार्यालय के ठीक सामने चुनाव कार्यालय खुलवा दिया था जो कि लोगो की समझ से परे है। इस कार्यालय का लगभग 30 हजार किराया भी दिया गया है,जो कि चर्चा का विषय है कार्यालय में प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के साथ जिलाध्यक्ष की फोटो आज भी दीवार की शोभा बढा रही है,कार्यालय में एक भी दिन न तो चुनावी गतिविधी हुई और न ही कोई कार्यकर्ता नजर आया। पार्टी कार्यालय के ठीक सामने रोड के एक पार कार्यालय खोला जाना कार्यर्ताओं की समझ से भी दूर था। हां यह अलग बात है कि पार्टी से मिले फंड को चुनाव कार्यालय में चाय पानी नाश्ते में भी खर्च करना बता दिया गया होगा।

हर पोस्टर में खुद की फोटो लगवाने में जिलाध्यक्ष ने दिखलाया रूचि

प्रदेश में कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने कहीं रूचि दिखलाई या नही यह तो कहा नही जा सकता लेकिन प्रत्याशी के पर्चे,पंपलेट में उन्होने अपनी फोटो लगवाकर खुद का प्रचार कराने में काफी रूचि दिखलाई। लोगो का कहना था किसी भी विधानसभा क्षेत्र में सिर्फ प्रत्याशी का फोटो देखा गया लेकिन बैकुंठपुर विधानसभा मे प्रत्याशी के साथ जिलाध्यक्ष ने फोटो लगवाकर एक सवाल खड़ा कर दिया है, कुछ कार्यकर्ताओ ने कहा कि जनाधार विहीन जिलाध्यक्ष अभी से लोकसभा चुनाव का ख्वाब देख रहे हैं।

हर कार्यक्रम में खुद का नेतृत्व बतलाने वाली विज्ञप्ति हुई जारी

भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी जायसवाल ने अपनी कार्यकारणी में एक ऐसा काम किया है जो कि शायद ही किसी जिले में हुआ होगा,बतलाया जाता है कि जिलाध्यक्ष ने मीडिया का काम करने हेतु एक पत्रकार को ही कार्यकारणी में रखा है,जो कि दूसरे जिले के निवासी हैं। मीडिया प्रभारी सिर्फ जिलाध्यक्ष के लिए ही काम कर रहे हैं। देखने मे मिला कि जितनी भी प्रेस विज्ञप्ति कार्यक्रम को लेकर जारी की गई उसमें प्रत्याशी का नही बल्कि जिलाध्यक्ष का जबरन नेतृत्व बतलाया गया।

सिर्फ संगठन के भरोसे लंबे हार की ओर जा रहे थे भैयालाल

संगठन ने पिछले कई महीनो से भैयालाल राजवाड़े को घेर रखा था,उन्हे लोगो के संपर्क में आने से भी रोका जा रहा था,टिकट मिलने के बाद संगठन ने ही उनके जीत का सारा भार ले लिया था,जिसे कुछ समय तक देखा भी गया,इस कागजी और हवा हवाई संगठन के भरोसे भैयालाल राजवाड़े एक लंबी हार की ओर अग्रसर भी थे क्योंकि जिलाध्यक्ष का व्यवहार किसी भी कार्यकर्ताओं को रास नही आ रहा था। लेकिन समय रहते ही भैयालाल राजवाड़े ने अपनी नीति बदली और अपने कार्यकर्ताओं के दम पर चुनाव लड़ा जिससे कि उनकी स्थिति काफी सुधरी है। बतलाया जाता है कि भैयालाल राजवाड़े के लिए ऐसे लोगो ने भी काम किया जो कि पार्टी से नाता नही रखते और चुनाव में भी पार्टी कार्यालय की ओर कभी नही देखा लेकिन भैयालाल राजवाड़े के लिए उन्होने काम किया।

संगठन ने भेजा चुनावी खर्च लेकिन हुआ बंदरबांट, भैयालाल राजवाड़े को भी नही दी गई पूरी राशि

भाजपा के अति विश्वस्त सूत्रो की बात माने तो पता चलता है पार्टी ने एक बड़ी राशि चुनाव के लिए भेजी थी उस राशि को बूथ स्तर पर पहुंचाने की जिम्मेदारी संगठन की थी,लेकिन उसे अव्यवस्थित तौर पर बांटकर हजम कर दिया गया है। सारे बूथो में एक समान राशि का वितरण् भी नही किया गया जैसा कि पार्टी सूत्रो का कहना है। सूत्रो ने तो यह भी बतलाया कि स्वयं प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े भी राशि के लिए परेशान रहे,उन्हे पूरी राशि बंटने की अधिकृत जानकारी नही दी गई।

क्या झंडा उठाने वाले होंगे किनारे,क्योंकि चापलूस लगाने सरडी का चक्कर ?

भाजपा प्रत्याशी भैयालाल राजवाड़े के जीत के दावे एक्जिट पोल पर प्रतिबंध के कारण घटती घटना अखबार नही करता है,लेकिन जैसी जनचर्चा है कि वे इस चुनाव में कई क्षेत्रो से आगे हैं इस बात की खबर लगते ही कई ऐसे चापलूस और अपना उल्लू सीधा करने वाले जयचंद है जो कि भैयालाल राजवाड़े के निज निवास सरड़ी का चक्कर लगाने लगे हैं,पूरे पांच वर्ष तक जिन्होने सरड़ी की ओर झांककर भी नही देखा और कांग्रेसियों से संबंध बनाकर अपना काम निकाला है,वे लोग भी अब खुद को हितैषी बतलाने लगे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भैयालाल राजवाड़े ऐसे लोगो की पहचान कर पाएंगे क्या झंडा उठाने वाले कार्यकर्ताओं की पूछ परख होगी या फिर चापलूस ही जलवा काटेंगे। एक बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि बैकुंठपुर शहर में कई ऐसे जयचंद और चापलूस बैठे है जो जबरन भैयालाल राजवाड़े तक जाकर लोगो के बारे में कान भरते हैं और अपना उल्लू सीधा करते फिरते हैं,ऐसे लोगो से बचना और ईमानदारी से काम करने वाले लोगो को महत्व देना भी भैयालाल राजवाड़े के लिए एक बड़ी चुनौती है।

सड़क हादसे में एक युवक की हुई मौत

-संवाददाता-
कोरबा,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

जिले में काफी कोशिशों के बाद भी दुर्घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही। आए दिन तेज रफ्तार के कारण कई बड़े हादसे का शिकार लोग हो रहे हैं। ऐसे ही एक और बड़ी घटना आज सुबह सामने आई। जिले के बालकों क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई है। इस घटना के बाद से परिजनों में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम 21 वर्षीय सुरेंद्र गभेल के रूप में पहचान हुई है। बताया जा रहा है कि युवक को किसी अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई है । इस घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची है और आगे की कार्यवाही कर रही है। किस वाहन ने युवक को ठोकर मारी यह अब तक पता नहीं चल पाया है । बताया जा रहा है कि रूमगड़ा निवासी सुरेंद्र चाय नाश्ते की दुकान चलाया करता था।

बालकों की बाल विकास पहल से उज्जवल भविष्य को मिल रहा आकार

-संवाददाता-
कोरबा,19 नवम्बर 2023 (घटती-घटना)।

हाल ही में देश में बाल दिवस मनाया गया। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। देश के निर्माण में युवाओं की भूमिका को देखते हुए भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पहल पर निरंतर कार्य कर रहा है। बचपन के शुरुआती वर्ष बच्चे के भविष्य की नींव होती है। बालको एक स्वस्थ, सुरक्षित और बेहतर भविष्य बनाने के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से समुदाय के बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। बेहतर पोषण बच्चे के सर्वांगीण स्वास्थ्य और कल्याण की आधारशिला है, जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बालको अपने प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल के साथ समुदाय में पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा कर रहा है। कंपनी अपने सामुदायिक विकास परियोजनाओं के माध्यम से बच्चों में कुपोषण को कम करने के लिए स्तनपान और अन्य स्वस्थ प्रथाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देती है। टेक होम राशन (टीएचआर) के तहत सरकार के पूरक भोजन प्रावधान के साथ माताओं को पौष्टिक व्यंजनों पर प्रशिक्षित कर रही है। सत्रों में पोषण संबंधी जानकारी पर प्रश्नोत्तर सत्र और ऑडियो-विजुअल शोकेस भी शामिल हैं और इससे वित्त वर्ष 2023 में 270 से अधिक बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हुआ ।

बालको के भदरापारा की सावित्री के लिए यह किसी 'चमत्कार' से कम नहीं था, वह अपने 19 महीने के बेटे श्रेष्ठ की कहानी साझा करते हुए कहती हैं कि, श्रेष्ठ के पोषण के लिए महंगे पैकेज्ड सप्लीमेंट्स की ओर रुख करने से हमारे ऊपर आर्थिक दबाव पड़ रहा था । बालको प्रशिक्षण सत्र मेरे बच्चे के पोषण के लिए मददगार साबित हुआ। आज,श्रेष्ठ का वजन 9 किलोग्राम है, मैं घर ले जाने वाले राशन का उपयोग करके नियमित पोषण संबंधी व्यंजन बनाती हूं।

किशोरावस्था बच्चे के विकास में एक महत्वपूर्ण दौर होता है जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तन का समय होता है। इस प्रारंभिक अवधि के दौरान किशोर लड़कों और लड़कियों के बीच माहवारी के बारे में जागरूकता पैदा करके बालको युवाओं में स्वच्छ प्रथाओं की स्थापना कर रहा है। सामुदायिक विकास पहलों की मदद से कंपनी कम उम्र में लैंगिक संवेदनशीलता और समानता को बढ़ावा दे रहा है। माहवारी संबंधी मिथकों और भ्रांतियों को दूर करते हुए स्वच्छता प्रथाओं को विकसित किया है।बालको ने अपने प्रोजेक्ट नई किरण के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में जागरूकता सत्रों के माध्यम से 48,000 से अधिक लोगों को जागरूक किया है।

58 आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्र

एक बच्चे की विकासात्मक यात्रा में स्कूली शिक्षा की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह आजीवन सीखने, मानसिक विकास और आवश्यक सामाजिक कौशल का निर्माण करता है। इस महत्व को पहचानते हुए बालको 58 आधुनिक आंगनवाड़ी केंद्रों को सहयोग दे रहा है। कंपनी बाला (बिल्डिंग एज लर्निंग एड) पेंटिंग और डिजिटल लर्निंग सहित इंटरैक्टिव लर्निंग मॉडल के माध्यम से सर्वोत्तम श्रेणी के पाठ्यक्रम प्रदान करके पूर्व स्कूली शिक्षा में सुधार की दिशा में लगातार काम कर रही है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमओडब्ल्यूसीडी) के सहयोग से अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की पहल के तहत नंद घर एक अत्याधुनिक आंगनवाड़ी मॉडल प्रदान करता है, जो ई-लर्निंग से सुसज्जित है साथ ही स्वचालयों की भी स्थापना की गई है ।

नंद घर परियोजना- नंद घर परियोजना की मदद से बालको वित्त वर्ष 2023 में छत्तीसगढ़ राज्य के 4000 से अधिक बच्चों की उपस्थिति, सीखने की क्षमता और स्कूल के लिए तैयार में मदद किया है।

प्रोजेक्ट कनेक्ट- उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बच्चों को मूलभूत ज्ञान और भविष्य की गतिविधियों से जोड़ता है। प्रोजेक्ट कनेक्ट 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है। इसी के अनुरूप वर्ष 2016 में शुरू 'परियोजना कनेक्ट' का उद्देश्य स्थानीय विद्यार्थियों में विज्ञान, अंग्रेजी, गणित और लेखा (सेमा) में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए समुदाय की जरूरतों को पूरा करना है। परियोजना मुख्य रूप से बालको कर्मचारियों तथा स्वयंसेवी शिक्षकों के माध्यम से छात्रों के ग्रेड में सुधार, शिक्षकों की क्षमता निर्माण और करियर परामर्श के लिए एक सक्षम वातावरण बनाकर सरकारी स्कूल में सीखने के माहौल में सुधार लाने पर केंद्रित है। तीन सरकारी स्कूल में कनेक्ट परियोजना के नियमित कक्षाओं से वर्तमान समय 1200 से अधिक छात्र को लाभान्वित हो रहे हैं।

कैरियर परामर्श- शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोढ़ी की प्रिंसिपल रिनी दुबे ने कहा कि बालको की पहल हमारे छात्रों के लिए सीखने और तैयारी के अवसर प्रदान करती है जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे आगामी परीक्षाओं के लिए तैयार हैं। कैरियर परामर्श बालको की सराहनीय पहल है जो उन्हें उनके शैक्षणिक और कैरियर के बारे में निर्णय लेने के लिए मार्गदर्शन करता है। बाल विकास पहल के प्रति बालको का दृढ़ समर्पण एक बेहतर कल के निर्माण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ज्ञान, कौशल और एक सहायक वातावरण के साथ युवा जीवन को सशक्त बनाकर बालको एक बेहतर जगह के रूप में देखता है, जो समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए लचीले, सक्षम व्यक्तियों के निर्माण में योगदान देता है।

CMYK

20 NOVEMBER 2023 AMBIKAPUR_Layout 2 11/19/2023 11:27 PM Page 7

फाइनल मैच से पहले आसमान में 9 एयरक्राफ्ट ने दिखाए करतब

आईसीसी इवेंट में पहली बार देखने को मिला ऐसा पल

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023। फैंस को जिस पल का इंतजार था, आखिरकार वो पल आ ही गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया।

इस फाइनल मैच के लिए फैंस के बीच उत्साह चरम पर है। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम फैंस से खचाखच भरा हुआ है। टॉस के तुरंत बाद अहमदाबाद के आसमान पर एयर शो का गजब का नजारा देखा गया।

इस दौरान सूर्यकिरण टीम के प्लेन अलग-अलग फॉर्मेशन बनाते हुए आसमान में करतब दिखाते हुए नजर आए।स्टेडियम पर बैठा हर एक शख्स इस पल को अपने कैमरे में कैद करता हुआ और खुशी से झूमते हुए नजर आया।

फाइनल मैच से पहले एयर शो ने लूटी महफिल

दरअसल, इंडिया व्हीएस ऑस्ट्रेलिया के फाइनल मैच में टॉस के बाद इंडियन एयरफोर्स के सूर्यकिरण विमान अहमदाबाद के हवाई अड्डे से उड़ान भरी और वर्टिकल फॉर्मेशन में एयर सैल्यूट देते हुए नरेंद्र मोदी स्टेडियम के ऊपर से गुजरते हुए नजर आए। इस दौरान अहमदाबाद के इस स्टेडियम का माहौल ही देखने लायक रहा। यह आईसीसी के इवेंट के इतिहास में पहली बार हुआ, जब एयर शो जैसा खास इंतजाम फाइनल में किया गया।सोशल मीडिया पर एयर शो का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

विराट कोहली को अंडर-19 वर्ल्ड कप ने दिलाई पहचान

- पिता के निधन के बाद पलटा करियर;
- अब विराट क्रिकेट के कहलाते हैं किंग
- विराट कोहली ने साल 2008 में भारतीय टीम को अंडर-19 चैंपियन बनाया था
- पिता के निधन के अगले दिन मैदान पर बल्लेबाजी करने उतरे थे विराट
- वनडे में किंग कोहली के नाम हैं सबसे ज्यादा शतक

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023। दिल्ली का वो अदना सा लड़का सचिन तेंदुलकर को अपना आदर्श मानता था। क्या पता कि एक दिन उन्हीं के नक्श-ए-कदम पर चलते हुए उन्हें के रिकॉर्ड को तोड़कर क्रिकेट नया किंग बन जाएगा। जी हां हम बात कर रहे हैं किक्रेकट के किंग, भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की।

विराट कोहली की वर्ल्ड क्रिकेट में तूती बोलती है। कोहली जब अपने रंग में होते हैं, तो दुनिया का बड़े से बड़ा गेंदबाज उनके आगे पानी मांगता हुआ नजर आता है। किंग कोहली इंडियन क्रिकेट का वो हीरा हैं, जिसकी चमक से पूरा विश्व क्रिकेट गुलजार हुआ है। हालांकि, विराट के लिए 22 गज की पिच का शहंशाह बनने का सफर काफी चुनौतियों से भरा रहा।

वनडे क्रिकेट में 50वां शतक जमाकर सचिन तेंदुलकर के महारिकॉर्ड को ध्वस्त कर चुके कोहली ने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन अपने मजबूत इरादों के दम पर विराट क्रिकेट की दुनिया में वो पहचान बनाने में सफल रहे, जिसकी कई क्रिकेटर्स महज कल्पना करते हैं।

दिल्ली से हुआ क्रिकेट करियर का आगाज

विराट कोहली का जन्म 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में हुआ। कोहली दिल्ली के उत्तम नगर में पले-बढ़े और उन्होंने इसी शहर से अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत महज 9 साल की उम्र में की। विराट ने 9 साल की उम्र में पहले बार बल्ला थामा और अपने बचपन के कोच राजकुमार शर्मा की देखरेख में क्रिकेट की बारीकियों को सीखा।

2002 में रखा घरेलू क्रिकेट में कदम

विराट कोहली ने घरेलू क्रिकेट में कदम साल 2002 में रखा। विराट ने दिल्ली की अंडर-15 टीम की ओर से अपना पहला मैच खेला और उन्होंने 2003 में टीम की कमान भी सौंप दी गई। अंडर-15 में बल्ले से धमाल मचाने के बाद कोहली का सेलेक्शन विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए हुआ।

कोहली इस टूर्नामेंट में अपने बल्ले और कप्तानी दोनों से छाप छोड़ने में सफल रहे। कोहली ने 7 मैचों में 757 रन बनाए और टीम को चैंपियन बनाया। इस दौरान कोहली के बल्ले से दो शतक निकले। साल 2006 में विराट ने अपने लिस्ट-ए करियर की शुरुआत सर्विसेस के खिलाफ की। वहीं, उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में दिल्ली की ओर से खेलते हुए अपना पहला मैच तमिलनाडु के खिलाफ खेला।

पिता के निधन ने पलटा करियर

साल 2006 में विराट कोहली के पिता प्रेम कोहली का हार्ट अटैक पड़ने की वजह से निधन हो गया। कोहली पिता के निधन के बावजूद अगले दिन कर्नाटक के खिलाफ खेले गए मुकाबले में बल्ले थामकर मैदान पर उतरे। विराट ना सिर्फ मैदान पर उतरे, बल्कि उन्होंने 90 रन की शानदार पारी खेली। कहा जाता है कि कोहली के असल करियर की शुरुआत यहीं से हुई और इसके बाद विराट ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

2008 में बनाया अंडर-19 चैंपियन

साल 2008 में विराट कोहली ने अपनी कप्तानी में भारतीय टीम को अंडर-19 चैंपियन बनाते हुए खूब सुर्खिया बटोरी। अंडर-19 में दमदार प्रदर्शन के बूते ही विराट कोहली की आईपीएल में एंट्री हुई और उन पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने बड़ा दांव खेला।

2008 में शुरू हुआ इंटरनेशनल करियर

विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट की पिच पर साल 2008 में पहली बार कदम रखा। वेस्टइंडीज के खिलाफ खले गए मुकाबले में कोहली बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके थे और 4 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद विराट ने भारत के लिए कई यादगार पारियां खेलीं, जिसके दम पर उनको वर्ल्ड कप 2011 की टीम में जगह भी मिली। विराट ने 2011 के फाइनल मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ सचिन और सहवाग के सस्ते में पवेलियन लौटने के बाद 35 रन की अहम पारी खेली थी।

कोहली का इंटरनेशनल करियर

विराट कोहली भारत के लिए अब तक कुल 111 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इस दौरान खेली गई 187 पारियों में उनके बल्ले से 49.29 की औसत से 8676 रन निकले हैं। कोहली के नाम क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में 29 शतक और 29 अर्धशतक दर्ज हैं। वहीं, 50 ओवर के फॉर्मेट में विराट भारत के लिए अभी तक कुल 291 मैचों में बल्ला थामकर मैदान पर उतरे हैं। अपने पसंदीदा फॉर्मेट में किंग कोहली 58.69 की औसत से 13,794 रन कूट चुके हैं।

क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट यानी टी-20 में विराट 115 मैचों की 107 पारियों में 52 के औसत और 137 के स्ट्राइक रेट से 4008 रन बना चुके हैं। फटाफट क्रिकेट में कोहली ने एक शतक और 37 अर्धशतक लगाए हैं।

कोहली की उपलब्धियां

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। कोहली के नाम वनडे में 50 शतक दर्ज हैं।

किंग कोहली बतौर कप्तान टेस्ट क्रिकेट में छह डबल सेंचुरी जमाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस मामले में ब्रायन लारा को पीछे छोड़ था।

विराट कोहली वनडे क्रिकेट में सबसे तेज 10 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज हैं। विराट ने यह मुकाम 205वीं पारी में हासिल किया था। कोहली ने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ था।

विराट कोहली टी-20 क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं।

विराट कोहली दो बॉक्सिंग-डे टेस्ट मैच जीतने वाले इकलौते भारतीय कप्तान हैं।रिकी पोंटिंग के बाद विराट कोहली सर गारफील्ड सोबर्स अवॉर्ड को दो बार पाने वाले क्रिकेटर हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक जमाने के मामले में विराट कोहली दूसरे नंबर पर काबिज हैं। कोहली अब तक 80 शतक लगा चुके हैं।

विराट कोहली को मिली सचिन तेंदुलकर की '10' नंबर की जर्सी

अहमदाबाद ,19 नवम्बर 2023। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे विश्व कप 2023 की शुरुआत से पहले, पूर्व 'मेन इन ब्लू' कप्तान विराट कोहली ने क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर का स्वागत किया। '10' नंबर की जर्सी.

'मास्टर ब्लास्टर' ने अपनी नीली जर्सी भेजी जो उन्होंने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ अपने आखिरी वनडे मैच में पहनी थी।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर उस पल की तस्वीरें साझा कीं जब कोहली को दिग्गज जर्सी मिली थी।

बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, एक विशेष अवसर और मैच से पहले का एक विशेष क्षण। सचिन तेंदुलकर 2011 और विराट कोहली 2023।

इससे पहले बुधवार को कोहली सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़कर वनडे क्रिकेट के इतिहास में 50 शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए थे। कुछ ही देर बाद विराट के हाव-भाव ने सारा माहौल छीन लिया, जब उन्होंने सचिन को प्रणाम किया, जो स्टैंड में खड़े होकर इस स्टार बल्लेबाज को अपना रिकॉर्ड तोड़ते देख तालियां बजा रहे थे।

फैन ने सुरक्षा तोड़कर कोहली को लगाया गले

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी विश्व कप 2023 का फाइनल कुछ मिनटों के लिए बाधित हो गया क्योंकि पिच आक्रमणकारी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मैच रोक दिया।

यह घटना 14वें ओवर में हुई जब एक प्रशंसक सुरक्षा घेरे को चकमा देकर मैदान पर आ गया।

प्रशंसक ने एक टी-शर्ट पहन रखी थी जिस पर लिखा था फिलिस्तीन पर बमबारी बंद करो और उसके साथ फिलिस्तीन का झंडा भी था। यहां तक कि उनके चेहरे के मुखौटे पर भी फिलिस्तीन का झंडा लगा हुआ था।

भारत के तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद प्रशंसक पिच तक पहुंचने में कामयाब रहा और विराट कोहली को गले लगाया, जो बीच में केएल राहुल के साथ बल्लेबाजी कर रहे थे। कप्तान रोहित शर्मा ने तेज 47 रन बनाए लेकिन शुबमन गिल और श्रेयस अय्यर अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे और 4-4 रन बनाकर आउट हो गए।

ऐसा तब हुआ जब ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीता और कप्तान पैट कमिंस ने मोटेरा की धीमी पिच पर पहले गेंदबाजी करने का आश्चर्यजनक निर्णय लिया।

रोहित और गिल ने पहले विकेट के लिए 30 रन जोड़े, इससे पहले मिचेल स्टार्क ने 5वें ओवर में गिल

को आउट कर दिया। कप्तान रोहित एक बार फिर अर्धशतक से चूक गए और आगे बढ़ने की कोशिश में ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर आउट हो गए। अय्यर ने जल्द ही कमिंस के दूसरे ओवर में चौका जड़कर दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम में मौजूद 1.30 लाख भारतीय प्रशंसकों को खामोश कर दिया।

फाइनल में अपरिवर्तित टीमें

इस खेल के लिए दोनों टीमें अपरिवर्तित हैं। भारत अपने तीसरे वनडे विश्व कप खिताब का पीछा कर रहा है और 12 साल में पहली बार, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम अगर शिखर सम्मेलन जीतती है तो छठी बार ट्रॉफी जीतेगी।

भारत एकादशः रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, जसप्रित बुमरा, मोहम्मद सिराज ऑस्ट्रेलिया इलेवनः डेविड वार्नर, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा, जोश हेज़लवुड

भारतीय पावरलिफ्टर ने मास्टर्स इवेंट में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली,19 नवम्बर 2023। भारत को एक प्रेरक उपलब्धि हासिल हुई है। एक 45 वर्षीय भारतीय पावरलिफ्टर ने हाल ही में आयोजित डब्ल्यूपीसी विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप में एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है।

दिल्ली के रहने वाले दलजीत सिंह ने किर्गिस्तान में हुए डब्ल्यूपीसी विश्व कप में 270 किलोग्राम डेडलिफ्ट खींचने से पहले मैनचेस्टर (यूके) में आयोजित डब्ल्यूपीसी विश्व चैंपियनशिप में 300 किलोग्राम स्क्वाट प्रदर्शन करके मास्टर्स वर्ग में अपना नाम रिकॉर्ड में दर्ज कराया है।

वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग कांग्रेस (डब्ल्यूपीसी) विश्व चैंपियनशिप 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित की गई थी, जबकि डब्ल्यूपीसी विश्व कप 18-19 नवंबर को आयोजित किया गया था। दलजीत, जो डब्ल्यूपीसी की भारत इकाई के अध्यक्ष भी हैं, पावरलिफ्टिंग में पांच विश्व रिकॉर्ड रखने के अलावा, उनके नाम पहले से ही 22 अंतर्राष्ट्रीय पदक हैं।

दलजीत, जिन्हें पावरलिफ्टिंग में उनके योगदान और भारत के खिलाड़ियों को साथ लाकर इसे आगे बढ़ाने के लिए किर्गिस्तान और मिस्र की सरकारों द्वारा सम्मानित किया गया है, का कहना है कि वह आने वाले समय में और अधिक पदक जीतने के लक्ष्य के साथ अपने वजन प्रशिक्षण सत्र जारी रखना चाहते हैं।

पीकेएलः फजल अत्राचली,मोहम्मद नबीबक्श गुजरात जायंट्स कैंप में शामिल हुए

अहमदाबाद,19 नवम्बर 2023। ईरानी स्टार फजल अत्राचली और मोहम्मद नबीबक्श प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आगामी सीजन 10 की शुरुआत से पहले गुजरात जायंट्स कैंप में शामिल हुए।

प्रो कबड्डी लीग के 10वें सीज़न के जल्द ही आने के साथ अदानी की गुजरात जायंट्स, जिन्होंने नीलामी के दौरान एक मजबूत टीम बनाई है। शिविर के लिए उनके अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों फजल अत्राचली और मोहम्मद नबीबक्श के आने से उन्हें और मजबूती मिली है। इस समय गुजरात जायंट्स की टीम

प्री-सीजन के दौरान एक बहुत ही गहन अरसुनियोजित प्रशिक्षण शिविर से गुजर रही है, जिसमें खिलाड़ी पूरी तरह से अपने कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।पीकेएल का 10वां सीजन अहमदाबाद से शुरू होगा, जो गुजरात जायंट्स का घरेलू मैदान है।इसमें कोई शक नहीं कि वे धमाकेदार शुरुआत करना चाहेंगे। टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मिश्रण है। इसलिए, फैंस को उम्मीद है कि टीम इस बार धमाकेदार प्रदर्शन करेगी।

अल्वा नायर ने राष्ट्रीय रेसिंग चैम्पियनशिप खिताब जीते

कोयंबटूर,19 नवम्बर 2023। रुहान अल्वा ने रविवार को यहां 26वीं जेके टायर नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप में एलजीबी फॉर्मूला 4 खिताब जीता, जबकि अर्जुन एस नायर ने नोविस कप जीता।चेट्टीपलायम में कारी मोटर स्पीडवे पर, अल्वा ने कोलकाता के डार्क डॉन रेसिंग के आर्य सिंह पर 20 अंकों की बढ़त हासिल की, जो उन्होंने पहले हासिल की थी, और केवल एक रेस शेष होने पर, बेंगलुरु के रेसर के लिए यह खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था। .लेकिन नोविस कप में आर्य और मोमेंटम मोटरस्पोर्ट टीम के कुछ ड्राइवरों ने इंडियन मोटर स्पोर्ट्स अपील कोर्ट (आईएमएसएसी) में अपील की और अपने अंक वापस ले लिए।

धमाकेदार एक्शन से दिल जीतने आ रहे हैं प्रभास

बाहुबली से पूरे भारत में प्रसिद्ध हुए अभिनेता प्रभास इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सालार को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। सालार 22 दिसम्बर को पूरे भारत में प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म का शाहरुख खान की डंकी से सीधा मुकाबला है। पहले इसे सितंबर में रिलीज किया जाना था लेकिन, इसे पोस्टपोन कर दिया गया था और अब दिसंबर में क्रिसमस के मौके पर रिलीज किया जाएगा। इसी बीच उनके फैंस को 'सालार' के ट्रेलर का इंतजार था। दिवाली के मौके पर मेकर्स ने फैंस को तोहफा दिया और इसके ट्रेलर रिलीज की डेट का ऐलान कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर होम्बले फिल्म्स की ओर से फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया गया है, जिसमें प्रभास को एक्शन मोड में देखा जा सकता है। वो हाथ में गन लिए हुए नजर आ रहे हैं। इसे शेयर करने के साथ ही फिल्म के ट्रेलर रिलीज का ऐलान किया गया है। दीवाली के मौके पर फैंस को तोहफा दिया गया है। होम्बले फिल्म्स के ट्विटर हैंडल से शेयर किए गए फिल्म के पोस्टर में लिखा गया है कि 1 दिसंबर, 2023 को इसका ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। प्रभास की फिल्म सालार का पोस्टर मेकर्स ने शेयर करने के साथ ही लिखा, धमाकेदार सेलिब्रेशन के लिए तैयार हो जाइए। 1 दिसंबर को शाम 7.19 बजे सालार का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा। आप सभी को दीवाली की ढेर सारी शुभकामनाएं। इस ऐलान के बाद फैंस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हो गए हैं। अब मूवी के ट्रेलर के लिए लोगों की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है।

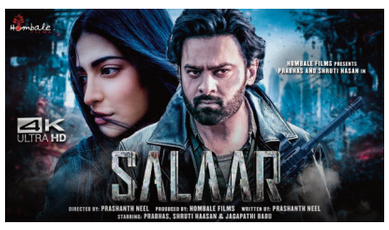

बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की फिल्म सालार शाहरुख खान की डंकी से टकराएगी। दोनों फिल्मों को एक ही दिन यानी कि 22 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। दोनों ही फिल्मों को लेकर लोगों में काफी क्रेज देखने के लिए मिल रहा है। डंकी का टीजर पहले ही रिलीज किया जा चुका है। अब ट्रेलर का इंतजार है। सालार और डंकी को लेकर लोगों के बीच जबरदस्त एक्साइमेंट है। ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि बॉक्स ऑफिस पर कौन सी फिल्म बाजी मारती है। बहरहाल, इसके अलावा प्रभास की फिल्मों की बात की जाए तो एक्टर को आखिरी बार फिल्म आदिपुरुष में देखा गया था। इसके जरिए उन्हें एक्ट्रेस कृति सेनन के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए देखा गया था। फिल्म को दर्शकों से नेगेटिव रिस्पांस मिला था और ये बॉक्स ऑफिस पर भी डिजास्टर रही थी। ऐसे में अब लोगों को सालार का इंतजार है।

कीर्ति कुल्हारी अंतरराष्ट्रीय फिल्म में आएंगी नजर,बोलीं- मुश्किल था सफर

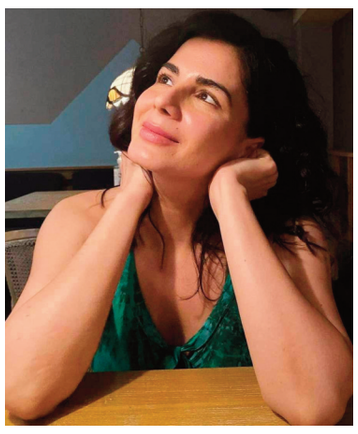

फिल्म मिशन मंगल और वेब सीरीज फोर मोर शॉट्स प्लीज में नजर आई अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी 13 साल से मनोरंजन जगत का हिस्सा हैं।इस दौरान अभिनेत्री कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहीं और अपने अभिनय के बल पर एक अलग पहचान बनाई।अब कीर्ति बॉलीवुड के बाहर अपने कदम बढ़ा रही हैं और जल्द अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म में नजर आएंगी।ऐसे में अभिनेत्री ने अपने बॉलीवुड से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक जाने के सफर के बारे में बात की है।

कीर्ति फिल्म सच इज लाइफ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शुरुआत करने जा रही हैं। यह अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय अप्रवासी परिवार की कहानी है, जिसमें कीर्ति और जिम सर्भ माता-पिता बनेंगे।इसकी शूटिंग कश्मीर, नई दिल्ली, न्यू ऑरलियन्स, न्यू जर्सी और न्यूयॉर्क में अगले साल अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है।हर्ष महादेश्वर द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म का निर्माण रोमिला सराफ भट्ट, राहुल भट्ट, प्रिंसटन, न्यू जर्सी में स्थित रेड बाइसन प्रोडक्शंस द्वारा किया गया है।कीर्ति ने कहा कि अब उन्हें महसूस होता है कि वह अपने करियर में आगे बढ़ रही हैं, जिससे उनका विकास हो रहा है।अभिनेत्री का कहना है कि वह फिल्म सच इज लाइफ को सिर्फ एक प्रोजेक्ट के रूप में नहीं देखती हैं, जो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जाने का अवसर प्रदान करता है, बल्कि यह इस चरण में आत्मविश्वास देता है।ऐसे में वह अपनी फिल्म को लेकर उत्साहित हैं।कीर्ति ने कहा, यह कदम मुझे बताता है कि मैं इसके लिए कितनी तैयार हूं। एक अभिनेत्री के रूप में मैं जो सोचती हूं और करती हूं, मेरे करियर के संदर्भ में यह मेरे लिए एक स्वाभाविक प्रगति है। मैं इसके लिए तैयार हूं।कीर्ति का कहना है कि उन्हें घबराहट नहीं हो रही है कि लोग उनको लेकर अपनी धारणा बनाएंगे या उन्हें जज करेंगे। उन्हें लगता है कि यह उनके लिए एकदम सही समय है।

हिस्ट्री हंटर पूरे भारत में सदियों पुराने छिपे रहस्यों को करेगा उजागरः मनीष पॉल

शो हिस्ट्री हंटर को होस्ट करने जा रहे एक्टर मनीष पॉल ने कहा है कि यह भारत के विविध परिदृश्य में छिपी जटिलताओं को उजागर करता है। सीरीज में अचानक इतिहास में समा जाने वाले और लोगों की स्मृति से गायब हो चुके डेढ़ साल पहले मौजूद दुनिया के सबसे बेहतरीन भारतीय विश्वविद्यालयों से लेकर एक अस्पष्ट इंजीनियरिंग चमत्कार तक की कहानियां बताई गई हैं जिसने 80 टन वजनी चट्टान को बिना किसी आधुनिक मशीनरी के 200 फीट उठाना संभव बनाया।मनीष के उन सवालों के पीछे तार्किक स्पष्टीकरण और तर्क की उनकी खोज में विशेषज्ञ मदद करेंगे।शो के बारे में मनीष ने कहा, हिस्ट्री हंटर ने मुझे पूरे भारत में एक रोमांचक यात्रा शुरू करने का अवसर प्रदान किया है, जिसमें हमारे विविध परिदृश्य में छिपी जटिलताओं को उजागर किया गया है। वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के साथ सहयोग करना एक सुखद अनुभव रहा है। मैं उत्सुकता से इस रोमांचक सीरीज को दर्शकों के साथ साझा करने का इंतजार कर रहा हूं और विश्वास करता हूं कि यह उन्हें मंत्रमुग्ध कर देगी।यह शो नाना साहेब पेशवा 2 के लापता होने से जुड़े सिद्धांतों का भी पता लगाएगा।हिस्ट्री हंटर का प्रीमियर 20 नवंबर को डिस्कवरी चैनल पर होगा और यह डिस्कवरी प्लस पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा।

CMYK

कौन होगा छत्तीसगढ़ का अगला मुख्यमंत्री,कका या बाबा ?

» क्या आलाकमान ने टीएस से सीएम पद को लेकर कोई वादा कर दिया...

रायपुर,19 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर सीएम फेस को लेकर घमासान मचा हुआ है। अब लोग ये पूछने लगे हैं कि इस बार कका या बाबा? छत्तीसगढ़ में मतदान खत्म होने के बाद कांग्रेस भवन में बैठक हुई। बैठक में पीसीसी चीफ दीपक बैज शामिल हुए। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश से कांग्रेस के पक्ष में फीडबैक मिल रहा है। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के चेहरे के सवाल पर कहा कि हमारा मुख्यमंत्री का चेहरा स्पष्ट है।
एक दिन पहले ही टीएस सिंहदेव ने कहा कि ये उनका अंतिम चुनाव था और वो अब चुनाव नही लड़ेंगे। ये बयान तब आया है जब प्रदेश में चुनाव सम्पन्न हुए है और परिणाम भी नही आये हैं। टीएस ने कहा कि उनके समर्थक व चाहने वाले लोग ये चाहते है कि वो सीएम बने मगर सीएम कौन होगा ये हाईकमान तय करेगा। लेकिन अब वो अपने निर्णय से ये कह रहे हैं कि अब वो चुनाव नही लड़ेंगे। इतना ही नहीं टीएस सिंह देव ने ये भी कहा कि पार्टी की ओर से उन्हें जो जिम्मेदारी दी जाएगी उसका निर्वहन वो करते रहेंगे मगर चुनाव नही लड़ेंगे। बाबा के इस बयान से ये कयास भी लगाए जा रहे हैं कि क्या आलाकमान ने टीएस बाबा से सीएम पद को लेकर कोई वादा तो नहीं कर दिया है जिसके आधार पर महाराज इस प्रकार के बयान दे रहे हैं। सवाल ये भी है कि क्या मौजूदा सीएम भूपेश बघेल अपनी कुर्सी बाबा के लिए छोड़ने को तैयार होंगे ? क्योंकि ढाई-ढाई साल के जिस फार्मुले की चर्चा कांग्रेस के पहले कार्यकाल में जब- जब चली, भूपेश खेमे के विधायकों ने दिल्ली दौरा कर शक्ति प्रदर्शन कर हर बार ये साबित करने की कोशिश की कि वादे अपनी जगह है और समर्थन अपनी जगह। पिछली बार तो बाबा इस पूरे मामले पर चुप रह गए। लेकिन इस बार वो इस मूड में नज़र नहीं आ रहे।

भूपेश बघेल की राह भी आसान नहीं

सिंहदेव के बयान ने मचाई खलबली पार्टी के लिए असमंजस की स्थिति बना दी

उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने एक बयान देकर अपनी पार्टी के लिए असमंजस की स्थिति बना दी है। टीएस सिंह देव के एक बयान ने राज्य के राजनीतिक गलियारो में खलबली मचा दी है।
छत्तीसगढ़ के प्रमुख दलों सहित जनता को इंतजार है चुनाव के नतीजों का। इस बार कांग्रेस सत्ता में दोबारा आएगी या फिर बीजेपी सत्ता की कमान संभालेगी, ये तो 3 दिसंबर को पता चलेगा लेकिन इससे पहले कांग्रेस में सीएम पद के लिए मांग उठनी शुरू हो गई है।
टीएस सिंह देव ने कहा कि अगर वो मुख्यमंत्री नहीं बने तो चुनाव ही नहीं लड़ेंगे। इससे मौजूदा सीएम भूपेश बघेल के मुख्यमंत्री बनने की राह आसान होती तो नहीं दिख रही। टीएस सिंह देव का कहना है कि मुख्यमंत्री बनने के लिए यह उनका आखिरी मौका है। अगर ऐसा नहीं होता है तो आगे चुनाव लड़ने का कोई औचित्य नहीं है और न ही वो लड़ेंगे। मतदाता जो भी जिम्मेदारी देंगे, वह निभाने के लिए तैयार हैं। इतना ही नहीं, टीएस सिंह देव ने आगे कहा कि यह मन की भावनाएं हैं, मन में रखी हैं।
अगर भौतिक रूप से काम करने का मौका मिल जाए तो उन्हें खुशी होगी। वहीं, उन्होंने कहा कि जिस भी स्थान पर काम करने का मौका मिलेगा। वह करेंगे. टीएस सिंह देव ने कहा, 'विधायक था तो विधायक के रूप में जितना काम कर सकता था किया। नेता प्रतिपक्ष के रूप में काम करने का मौका मिला तो अपनी तरफ से पूरा योगदान दिया। मंत्री के रूप में भी पूरी तरह से जिम्मेदारी निभाई। आगे जनता जो कहेगी, वो करेंगे।

ब्लैंक कॉल से कॉलर बोला- बम से उड़ा दूंगा अस्पताल को

रायपुर,19 नवम्बर 2023 (ए)। एमएमआई नारायण अस्पताल, रायपुर को अज्ञात कॉलर से बम की धमकी मिली है। धमकी के बाद एमएमआई नारायण अस्पताल प्रबंधन ने स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में तत्काल कार्रवाई की है। सुरक्षा इंतज़ाम पुख्ता किये गए हैं। अस्पताल प्रबंधन ने सभी को आश्वस्त करते हुए कहा कि पूरे अस्पताल परिसर में विशेष बम निरोधक दस्तों द्वारा व्यापक तलाशी ली गई है लेकिन किसी तरह की धमकी का कोई सबूत नहीं मिला है। हम अपने मरीजों और कर्मचारियों की निरंतर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। हम इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान अपने मरीजों, उनके परिवारों और जनता के सहयोग की सराहना करते हैं।
अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षा अधिकारीयों ने कहा है कि घबराएं नहीं, निश्चिंत रहें। हम अपनी सुविधा के भीतर एक सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सभी संदिग्ध वस्तु, स्थान और आगंतुकों पर सीसीटीवी के अलावा सुरक्षा कर्मी पैनी नजर रखे हुए हैं।

निर्वाचन प्रक्रिया में चूक

रमन सिंह का सीईओ से जल्द निर्णय लेने का आग्रह

रायपुर,19 नवम्बर 2023 (ए)। चुनाव ड्यूटी से मुक्त रहे प्रशासन के अधिकारियों/कर्मचारियों के डाक मतपत्र में संशोधन न होना निर्वाचन प्रक्रिया में चूक है। पूर्व सीएम रमन सिंह ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस चुनाव में जो अधिकारी/कर्मचारी मतदान से वंचित रह गए हैं। उनके लोकतांत्रिक अधिकार की रक्षा के लिए मैं सीईओ से आग्रह करता हूँ कि इस मामले पर गंभीरता से ध्यान दें और उनके मतदान के लिए जल्द निर्णय लें।

बागी होकर कई नेताओं ने अपना राजनीतिक भविष्य खतरे में डाला

रायपुर,19 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के चुनाव में बागी अपना असर दिखा सकते हैं, लेकिन उनकी भूमिका उम्मीदवार को हरवाने यानी कि खेल बिगाड़ने में ज्यादा रहने की संभावना है। वे चुनाव जीतेंगे, इस बात की गुंजाइश कम ही नजर आ रही है। छत्तीसगढ़ में विधानसभा की कुल 90 सीटें हैं। इन पर दो चरणों में मतदान हुआ है। पहले चरण में 20 सीटों और शेष 70 सीटों पर दूसरे चरण में मतदान हुआ।
इन 90 सीटों में लगभग एक दर्जन स्थान ऐसे हैं, जहां बागी खेल बिगाड़ सकते हैं। इनमें ज्यादा संख्या कांग्रेस के बागियों की है। कांग्रेस के बागियों पर गौर करें तो गौरेला पेंड्रा से गुलाब राज, अंतागढ़ से अनूप नाग और मंटू राम पवार, मनेंद्रगढ़ से विनय जायसवाल, सामरी से चिंतामणि महाराज, लोरमी से सागर सिंह बैंस, महासमुंद के खल्लारी से बसंता ठाकुर ताल ठोकते नजर आ रहे हैं। यह उम्मीदवार कहीं न कहीं कांग्रेस प्रत्याशी को नुकसान पहुंचाने की स्थिति में हैं। वहीं, भाजपा की बात करें तो

महासमुंद के खल्लारी से बीजेपी बागी हुए भेखू लाल साहू, मस्तूरी से चांदनी भारद्वाज बगावत कर मैदान में हैं।
कुल मिलाकर देखा जाए तो भाजपा की तुलना में कांग्रेस के बागी ज्यादा हैं और यही कारण है कि कई विधानसभा सीटों पर नतीजे के गड़बड़ाने की संभावना नजर आ रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य है, जहां के मतदात दल-बदल करने वालों पर या पार्टी से बागी बनकर चुनाव लड़ने वालों पर ज्यादा भरोसा नहीं जताते। अगर कहीं दल-बदल करने वाले या बागी पर जनता ने भरोसा जताया तो वह एक या दो दफा ही चुनाव जीत पाया है। तो, वहीं बड़ी संख्या में ऐसे उदाहरण हैं, जिन्होंने उम्मीदवार न बनाए जाने पर बगावत की और दूसरे दल अथवा निर्दलीय होकर चुनाव लड़ा तो उसके चलते उनका राजनीतिक भविष्य ही खतरे में पड़ गया। इस बार भी ऐसा ही होगा, यह संभावना कहीं ज्यादा है। हां, यह बगावत करने वाले उम्मीदवार अपनी पार्टी के उम्मीदवार को नुकसान पहुंचा सकते हैं और उसे हरवाने में भी उनकी भूमिका हो सकती है। मगर, वह चुनाव जीतेंगे इसकी संभावना बहुत कम है।

अग्नि दुर्घटना से यात्रियों के बचाव के लिए चलाया गया अभियान

रायपुर,19 नवम्बर 2023 (ए)। यात्री सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ट्रेनों में आग लगने की घटनाएं मानव जीवन एवं रेल सम्पदा के लिए सबसे गम्भीर आपदाओं में से एक है इसलिए अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान सुरक्षित यात्रा वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है । इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को ट्रेनों में यात्रा के दौरान अग्नि सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना तथा जागरूकता अभियान चलाकर आगजनी घटनाओं के जोखिम को कम करना है। यात्री गाडियों में किसी भी प्रकार का ज्वलनशील/विस्फोटक (गैस सिलेंडर कैरोसीन, पेट्रोल, डीजल, पटाका) सामान इत्यादि लेकर यात्रा न करे इससे बडी दुर्घटना घटित हो सकती है।
साथ ही ऐसी गलती से लोगों की जान माल की नुकसान भी हो सकती है । रेल यात्रा के दौरान अपने साथ स्टेशन, प्लेटफार्म अथवा यात्री गाडियों में ज्वलनशील/विस्फोटक सामानों को लेकर जाना धारा 164 रेल अधि. के तहत दण्डनीय अपराध है ऐसे करते पकड़े जाने पर तीन साल तक का करावास एवं जुर्माना का प्रावधान है। इसी कड़ी में सम्पूर्ण भारतीय रेलवे के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ियों में विशेष अग्नि सुरक्षा अभियान चलाई जा रही है । इस अभियान के तहत वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा गाड़ियों के पैंट्रीकारों सहित यात्री डिब्बों में ले जाए जा रहे किसी भी प्रकार के विस्फोटक और एलपीजी सिलेंडर, केरोसिन स्टोव आदि ज्वलनशील सामानों की जाँचकर व त्वरित कार्रवाई की जा रही है । स्टेशन परिसर के चारों ओर सीसीटीवी केमरों के माध्यम से निगरानी भी रखी जा रही है । इसके साथ ही गाड़ियों में धूम्रपान पर रोक, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता तथा वैधता भी जांची जा रही है । गाड़ियों में यात्रियों को अग्निशमन यंत्रो, आपातकालीन खिड़की के प्रयोग सबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है ।

छत्तीसगढ़ी कांग्रेसियों ने किया इंदिरा को याद

रायपुर,19 नवम्बर 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन शंकर नगर रायुपर में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई। उनकी याद में स्वर्गीय इंदिरा गांधी के छायाचित्र में पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इस मौके पर कुमारी सेलजा और पीसीसी चीफ दीपक बैज और भूपेश ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की है।
प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा के साथ संयुक्त सचिव एवं सह प्रभारी विजय जांगिड़, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू,

शैलेश पांडेय, दिलीप लहरिया, विजय केशरवानी, सियाराम कौशिक, आशिष छाबड़ा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर, महामंत्री रवि घोष, संयुक्त महामंत्री अजय साहू, सलाम रिजवी, मेहमूद अली उपस्थित थे।

छठ पर्व पर डूबते सूर्य को चढ़ाया संध्या अर्घ्य

रायपुर,19 नवम्बर 2023 (ए)। छठ हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण पर्व है। इस व्रत को संतान की लंबी आयु पति के स्वस्थ जीवन और घर-परिवार के सुख-सौभाग्य की कामना के लिए रखा जाता है। चार दिवसीय छठ महापर्व का आज तीसरा दिन है। बढ़ईपारा निवासी विश्वकर्मा महिला समाज की अध्यक्ष शकुंतला विश्वकर्मा ने बताया कि 19 नवंबर को छठ व्रतधारीयो ने आमा तालाब में डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया इसलिए इसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है। आज बड़ी संख्या में समाज की महिलाए युवतियां पुरुष उपस्थित थे। छठ महापर्व कार्तिक शुक्ल की चतुर्थी तिथि से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। इस साल छठ पर्व 17 से 20 नवंबर तक है। आज षष्ठी तिथि

19 नवंबर को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया और 20 नवंबर को सुबह उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर छठ व्रत संपन्न होगा। छठ पर्व पर व्रती पूरे 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती है और कठोर नियमों का पालन भी करती है। इसलिए छठ को सबसे कठिन व्रतों में एक माना गया है। छठ पर्व देशभर में मनाया जाता है। आज छठ व्रत का तीसरा दिन है और संध्या अर्घ्य दिया गया छठ पूजा में सही समय पर ही सूर्य देव को अर्घ्य देने से व्रत का फल मिलता है। आज इस अवसर पर अशोक देवी जैन,नेहा विश्वकर्मा ,गूंजा विश्वकर्मा,माया विश्वकर्मा ,कलावती विश्वकर्मा , दुर्गा विश्वकर्मा,मंदाकिनी विश्वकर्मा ,पिंकी विश्वकर्मा जैन ,पीहू, रुकमणी सिंह, सोनिया आंचल,अलीशा,ओमप्रकाश,आयुष,आदि उपस्थित थे।

भाजपा के गढ़ में कांग्रेस होगी पस्त ?

» संघ और संगठन की जीत वाली सूची से गायब हुआ बिंद्रानवागढ़,

» क्या मतदाताओं का साइलेंट मोड फिर खिलाएगा फूल या लहराएगा पंजा ?

गरियाबंद,19 नवम्बर 2023 (ए)। चुनावी सरगर्मी के बीच इस बार बिंद्रानवागढ़ में शुरुआत से ही कांग्रेस के पक्ष में लहर दिख रही थी. रही सही कसर भितरघातीयों ने पूरी कर दी. यही वजह है कि कांग्रेस इस बार भाजपा के गढ़ पर फतह पाने का दावा कर रही है. जीत के दावे का पलड़ा तब भारी हो गया जब मीडिया रिपोर्ट में भाजपा व संघ द्वारा जीत के दावे वाले गिनाए गए सीट में बिंद्रानवागढ़ का नाम गायब मिला. लेकिन भाजपा के रणनीतिकारों के हवाले से सूत्र बताते हैं कि, पिछली बार भी कांग्रेस के पक्ष में ऐसा ही माहौल था. लेकिन बिंद्रानवागढ़ के साइलेंट वोटर्स ने हवा का रुख बदल दिया था. ऐसे में ये भी दावा किया जा रहा है कि इस बार भी भाजपा की जीत कायम रहेगी.
कांग्रेस के जिला अध्यक्ष भाव सिंह साहू ने दावा किया है कि जीत इस बार कांग्रेस की होगी. साहू ने कहा कि भूपेश सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में क्षेत्र के विकास के साथ-साथ किसान, मजदूर, बेरोजगार के लिए बेहतर योजनाएं चलाई. नई सरकार में फिर से किसानों की कर्ज माफी, 3200 रुपये में धान खरीदी के अलवा महिला समूह के लिए ऋृण माफी का एलान किया, आम मतदाताओं ने कांग्रेस पर फिर से भरोसा जताया है.

मोदी की गारंटी दिलाएगी जीत !
कांग्रेस की तरह भाजपा भी अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त है. भाजपा से नियुक्त चुनाव संचालक डॉक्टर राम कुमार साहू ने कहा कि बिंद्रानवागढ़ भाजपा का गढ़ है, स्थिति बरकरार रहेगी. हवा नहीं आंधी में भी यहां के मतदाताओं का भरोसा कमल के प्रति रहा है. धान खरीदी में कांग्रेस की तुलना में प्रति एकड़ एक हजार रुपये ज्यादा और कीस्तो के बजाए एक मुश्त भुगतान, महिला वंदन योजना के साथ-साथ मोदी की गारंटी पर मतदाताओं ने भाजपा पर पुनः भरोसा जताया है.
कांग्रेस के दावे की बड़ी वजह
टिकट के ऐलान के बाद पूर्व विधायक डमरूधर पुजारी, बाबा उदय नाथ, हलमंत ध्रुवा जैसे चेहरे ने खुलकर नाराजगी जाहिर की. भागीरथी मांझी ने तो आप का दामन भी थाम लिया था. हांलाकि सभी को मना लिया गया. लेकिन सूत्र बताते हैं कि इनमें से ज्यादातर चेहरों ने भाजपा के लिए काम नहीं किया.
बूथ मैनेजमेंट है. बताया जाता है कि कांग्रेस ने भाजपा के बूथ, मंडल और जिलास्तर के ज्यादातर उन चेहरों को मैनेज कर लिया जो प्रत्याशी से व्यक्तिगत खुन्नस रखते थे. ऐसे लोगों पर भाजपा कार्रवाई की तैयारी कर रही है.
भाजपा के परंपरागत वोटर्स माने जाने वाले माली समाज ने इस बार पार्टी के खिलाफ खुलकर काम किया. समाज के मुखिया और भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में काम किया. भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ बैठक लेते वीडियो भी वायरल हुआ था. ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष रमन सिंह की सभा में भी नहीं पहुंचे थे.

भाजपा के दावे का आधार

अब तक हुए 13 विधानसभा चुनाव में 9 बार भाजपा ने जीत दर्ज की है. कई विषम परिस्थिति और कांग्रेस के पक्ष में माहौल के बीच भी इस सीट पर भाजपा जीत का परचम लहराती रही है.
जातिगत समीकरण पर फोकस किया कहा जाता है कि इस सीट पर सर्वाधिक आदिवासी वोटर्स हैं. जहां स्थानीयता का कार्ड खेल भाजपा आदिवासी वोटर्स को रिझाने में सफल रहा. दावा किया जा रहा है ओबीसी में साहू और यादव वोटर्स भी भाजपा के पक्ष में मतदान किए हैं.
बूथ क्रमांक 1 से 130 तक कांग्रेस की बढ़त को रोकने के लिए भाजपा ने कांग्रेस के गढ़ में मैनेजमेंट की रणिनिति बनाई थी. जिसके सक्सेफुल होने का दावा किया जा रहा है. इसकी आंच कुछ कांग्रेसी नेताओं तक भी आई. आशंका जता कर की गई शिकायत पर कांग्रेस आला कमान ने बिंद्रानवागढ़ के दो नेताओ को नोटिस तक थमा दिया है.

अपनों को हराने की चाल !

कांग्रेसी नेताओं ने पार्टी विरोधी काम को दिया अंजाम, 24 घंटे में 4 से मांगा जवाब

धमतरी,19 नवम्बर 2023 (ए)।विधानसभा चुनाव-2023 में कई जगहों से पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायतें सामने आ रही हैं. ऐसे में अब कुरुद विधानसभा से 4 कांग्रेसियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है. पूर्व प्रत्याशी लक्ष्मीकांता साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष तपन चंद्राकर, जनपद अध्यक्ष शारदा साहू, जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष भरत नाहर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. इन चारों पर पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है. जिसके बाद पीसीसी महासचिव मलकीत सिंह गैंदू ने नोटिस जारी किया है।

ट्रक ने बीएसपी कर्मी को कुचला,मौत

भिलाई,19 नवम्बर 2023 (ए)।खुर्सीपार थाना क्षेत्र के अंतर्गत कल रात्रि पाली में ड्यूटी जा रहे बीएसपी कर्मी को खुर्सीपार गेट के समीप ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बीएसपी कर्मी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। खुर्सीपार पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया है। खुर्सीपार थाना प्रभारी उमेद कुमार टंडन ने बताया कि मृतक आर कोटेश्वर राव पिता आर भीमा नायडू (52 वर्ष) निवासी एनएवी क्वार्टर नंबर 1 एफ के सामने बालाजी नगर खुर्सीपार कल रात्रि पाली में ड्यूटी जाने के लिए घर से साइकिल से निकला था।
रात्रि 10 बजे के लगभग खुर्सीपार गेट के पास ट्रक क्रमांक सीजी 08 जेड 9425 के चालक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए साइकिल सवार

कोटेश्वर राव को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे बीएसपी कर्मी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना के बाद पुलिस द्वारा बॉडी को सुपेला अस्पताल भेजा गया एवं आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अपराध क्रमांक 234/23 धारा 279, 304 ए के तहत आरोपी चालक उत्तम साहू पिता शत्रुघ्न साहू (29 वर्ष) निवासी गोता माटरा थाना नंदिनी नगर जिला दुर्ग को गिरफ्तार कर ट्रक जब्त कर लिया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)